राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 201 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,10 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

किसानों के हंगामे से खट्टर महापंचायत रद्द

करनाल ■ एजेंसी

किसान आंदोलन के 46 वें दिन हरियाणा के करनाल के गांव कैमला में होने होने वाली मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की किसान महापंचायत में किसानों ने जमकर बवाल मचाया। पुलिस के तमाम नाके तोड़कर किसान खेतों के रास्ते गांव कैमला पहुंचे और वहां कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड पर तोड़फोड़ की। इस दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था भी धरी रह गई। आलम यह रहा कि कार्यक्रम स्थल पर किसानों की भीड़ को देख आयोजक भाजपाई भी तितर-बितर हो गए। इन हालात के मद्देनजर मुख्यमंत्री की किसान महापंचायत को भी रद्द करना पड़ा और मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर कैमला गांव में नहीं उतरा। कैमला गांव में रविवार को किसानों की महापंचायत आयोजन था। जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को किसानों से सीधा संवाद करना था, इसकी तैयारियां पिछले कई दिनों चल रही थीं।

- **पुलिस ने किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठियां भांजीं**
- **मुख्यमंत्री की रैली से पहले किसान खेतों के रास्ते पहुंचे।**

दूसरे नाके पर फोर्स के साथ टकराव

कैमला में जिस जगह सीएम की महापंचायत होनी थी, उस क्षेत्र को पुलिस फोर्स ने सात जगहों पर नाकाबंदी कर घेरा था लेकिन घरौंडा के आउटर इलाके से हजारों की संख्या में किसान कैमला की ओर बढ़ने लगे किसानों ने पहला नाका तो तोड़ दिया, लेकिन दूसरे नाके पर फोर्स के साथ किसानों का टकराव हो गया जिसके चलते जमकर बवाल हुआ।

ढाई घंटे तक चली झड़प

दूसरे नाके पर बवाल के दौरान किसानों का रेला आगे बढ़ता देख पुलिस फोर्स ने आंसू गैस के गोले छोड़ने शुरू कर दिए। ढाई घंटे तक यहां बवाल चलता रहा। जिसके बाद किसान खेतों की ओर दौड़ने लगे और पुलिस फोर्स उनका पीछा कर उन्हें खदेड़ती रही। स्थिति बहुत ज्यादा तनावग्रस्त हो गई इस दौरान पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। किसानों और पुलिस के बीच हंगामा देख आयोजकों ने भी वहां से भागना उचित समझा।

कोरोना टीकाकरण से पहले कई राज्यों की तैयारी पूरी

मुख्यमंत्रियों के साथ आज बैठक करेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को सभी मुख्यमंत्रियों के साथ कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर चर्चा करेंगे। इस दौरान राज्य में कोरोना संक्रमण की स्थिति की भी समीक्षा होगी। इस अहम मीटिंग में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री कोरोना वैक्सीनेशन के लिए अपनी तैयारियों की रिपोर्ट लेकर बैठेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से यह बैठक शाम चार बजे से शुरू होगी। भारत में दो मेड इन इंडिया वैक्सीन बन चुकी है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की वैक्सीन कोविशील्ड और भारत बायोटेक के कोवैक्सीन को मंजूरी मिल चुकी है। जिसके बाद देश में 16 जनवरी से कोरोना टीकाकरण अभियान चलना है। सभी राज्य इस बड़े टीकाकरण अभियान की तैयारियों में जुटे हैं। जिस तरह से कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इलाज की व्यवस्थाओं को लेकर लगातार मुख्यमंत्रियों से चर्चा के जरिए सुझाव लेते थे, अब उसी तरह टीकाकरण अभियान के दौरान सभी राज्यों से सुझाव लेने की पहल हुई है। बैठक में राज्यों के सुझाव के आधार पर टीकाकरण की रणनीति बनेगी। इस दौरान प्रधानमंत्री और स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से केंद्र सरकार की तैयारियों को लेकर राज्य के मुख्यमंत्रियों को भी अवगत कराया जाएगा।

▶▶ **टीकाकरण अभियान 16 से, लीडर की भूमिका में होगा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय (पेज-8)**

इन राज्यों में तैयारी पूरी

1. दिल्लीः दिल्ली में 16 जनवरी को 89 सेन्टर से कोविड टीकाकरण की शुरुआत होगी। इसमे 36 सरकारी और 53 निजी अस्पताल शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि फिलहाल सिर्फ स्वास्थ्यकर्मियों को वैक्सीन लगेगी।

2. राजस्थानः राजस्थान के चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि राज्य में कोरोना संक्रमण से बचाव के उद्देश्य से किए जाने वाले टीकाकरण के लिए चिकित्सा विभाग ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। प्रदेश में प्रथम चरण में करीब 4.5 लाख स्वास्थ्य कर्मियों को शामिल किया गया है।

3. गोवाः गोवा सरकार ने कोरोना टीकाकरण के पहले चरण के लिए आठ अस्पतालों की पहचान की है, जहां लगभग 18,000 हेल्थ केयर वर्कर्स खुराक प्राप्त करेंगे।

4. पश्चिम बंगालः बंगाल में सबको मुफ्त में कोरोना की वैक्सीन मिलेगी। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी सरकार राज्य के सभी लोगों के लिए फ्री में वैक्सीन की व्यवस्था कर रही है।

5. तेलंगानाः तेलंगाना में कोरोना वैक्सीन 16 को 139 केंद्रों पर दी जाएगी। इनमें से हर जिले में दो से तीन सेंटर होंगे, जहां वैक्सीन दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री एटाला राजेंद्र ने कहा कि पहली खुराक वह खुद लेंगे।

6. बिहारः बिहार में नीतीश सरकार कोरोना टीकाकरण अभियान को चलाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बिहार स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि कम से कम 4.62 लाख स्वास्थ्य पेशेवरों ने कोविन पोर्टल पर पंजीकरण किया है। यहां भी वैक्सीन फ्री मिलेगी।

7. उप्रः उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कोरोना वैक्सीन के लिये देश के वैज्ञानिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। सीएम योगी ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा की।

एक नज़र...

कृषि कानून पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई आज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रदर्शनकारी किसान संगठनों के साथ सरकार की बातचीत में गतिरोध बरकरार रहने के बीच उच्चतम न्यायालय नए कृषि कानूनों को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं और दिल्ली की सीमा पर चल रहे किसानों के प्रदर्शन से जुड़ी याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगा। किसान आंदोलन 46 दिन से जारी है। केंद्र और किसान संगठनों के बीच सात जनवरी को हुई आठवें दौर की बाचतीच में भी कोई समाधान निकलता नजर नहीं आया, क्योंकि केंद्र ने विवादास्पद कानून निरस्त करने से इनकार कर दिया।

सूरीनाम के राष्ट्रपति हो सकते हैं चीफ गेस्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सूरीनाम गणराज्य के राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी 26 जनवरी को भारत के गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मानें तो पीएमओ से जुड़े सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है भारतीय मूल के संतोखी राजपथ परेड में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि बीते दिन ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 16वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी को आमंत्रित किया गया था।

तीसरी के बच्चों ने 2100 पेज में लिखी रामायण

जालौर, (एजेंसी)। कोरोना लॉकडाउन में कुछ लोगों ने कोरोना लॉकडाउन को यादगार बनाने के लिए कई तरह के अलग-अलग काम किए। बहुत से लोगों ने इस आपदा को अवसर के रूप में भी परिवर्तित किया है। कुछ ऐसा ही किया है राजस्थान के जालौर जिले में रहने वाले दो छोटे बच्चों ने। जी हां, दो भाई-बहनों ने लॉकडाउन में पूरी रामायण को अपने पेन से कॉपी में लिखा है। रामायण के अलग-अलग खंडों को उन्होंने 20 कॉपियों के करीब 2100 पन्नों में लिखा है। ये बच्चे हैं तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले माधव जोशी और चौथी कक्षा में पढ़ने वाली उनकी बहन अर्चना।

दीया मिर्जा का एक्स मैनेजर गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) ने ड्रग्स केस में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा की एक्स मैनेजर राहिला फर्नीचरवाला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अरेस्ट हुए लोगों में राहिला की बहन शाइस्ता और दो ब्रिटिश नागरिक भी शामिल हैं। सभी के पास से एनसीबी ने गांजा बरामद किया गया है। डीएनए की रिपोर्ट के मुताबिक राहिला फर्नीचरवाला और उनकी बहन शाइस्ता के पास गांजा बरामद हुआ है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि एनसीबी ने अपने बयान में कहा कि एनसीबी की कार्रवाई में बांद्रा वेस्ट में एक कुरियर से गांजा जब्त किया गया।

सैनिक ने गलती से क्रॉस की एलएसी : चीन

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन ने भारतीय सेना की हिरासत में मौजूद अपने सैनिक की फौरन रिहाई की मांग की है। चीन की सेना यानी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के मुताबिक, यह सैनिक अंधेरे और इलाके की समझ न होने की वजह से भारतीय क्षेत्र में पहुंच गया था। इसलिए उसे जल्द रिहा किया जाना चाहिए। अक्टूबर में एक चीनी सैनिक भारतीय सीमा में घुस गया था। दो दिन बाद उसे चीनी सेना के अफसरों को सौंप दिया गया था। भारतीय सेना ने बताया कि चीनी सैनिक उनके पास है और वे आला अफसरों से बातचीत के बाद उसे रिहा कर देंगे।

एक अप्रैल से 12 घंटे होंगे ऑफिस के घंटे और बदलेंगे पीएफ और रिटायरमेंट के नियम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 1 अप्रैल 2021 से आपकी ग्रेच्युटी, पीएफ और काम के घंटों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। नए ड्राफ्ट में कामकाज के अधिकतम घंटों को 12 करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। वर्तमान में नियमानुसार कार्य के अधिकतम घंटे नौ है।

कर्मचारियों को ग्रेच्युटी और भविष्य निधि (पीएफ) मद में बढ़ोतरी होगी। वहीं, हाथ में आने वाला पैसा (टेक होम सैलरी) घटेगा। यहां तक कि कंपिनयों की बैलेंस शीट भी प्रभावित होगी। इसकी वजह है पिछले साल संसद में पास किए गए तीन मजदूरी संहिता विधेयक (कोड ऑन वेजेज बिल)। इन विधेयकों के इस साल 1 अप्रैल से लागू होने की संभावना है। वेज (मजदूरी) की नई परिभाषा के तहत भत्ते कुल सैलेरी के अधिकतम 50 फीसदी होंगे। इसका मतलब है कि मूल वेतन (सरकारी नौकरियों में मूल वेतन और महंगाई भत्ता) अप्रैल से कुल वेतन का 50 फीसदी या अधिक होना चाहिए। गौरतलब है कि देश के 73 साल के इतिहास में पहली बार इस प्रकार से श्रम कानून में बदलाव किए जा रहे हैं। काम के घंटे 12 घंटे करने का प्रस्ताव नए ड्राफ्ट कानून में कामकाज के अधिकतम घंटों को बढ़ाकर 12 करने का प्रस्ताव पेश किया है। ओएसएच कोड के ड्राफ्ट नियमों में 15 से 30 मिनट के बीच के अतिरिक्त कामकाज को भी 30 मिनट गिनकर ओवरटाइम में शामिल करने का प्रावधान है।

उद्धव सरकार ने फडणवीस समेत कई बड़े नेताओं की सुरक्षा को किया कम

बीजेपी ने किया पलटवार

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेन्द्र फडणवीस और उनके परिवार, उप्र के पूर्व राज्यपाल राम नाइक, मनसे प्रमुख राज ठाकरे की सुरक्षा घटा दी है, वहीं भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रकांत पाटिल की सुरक्षा वापस ले ली है। राज्य भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने इसे ' बदले की राजनीति' करार दिया, वहीं फडणवीस को अब 'जेड-प्लस' श्रेणी के बजाए 'एस्कॉर्ट के साथ वाई-प्लस श्रेणी' की सुरक्षा मिलेगी। वहीं, उनकी पत्नी अमृता फडणवीस और बेटी दिविजा की सुरक्षा 'एस्कॉर्ट के साथ वाई-प्लस' श्रेणी से घटा कर 'एक्स' श्रेणी कर दी गई है। उप्र पूर्व राज्यपाल राम नाइक को अब 'वाई-प्लस' के बजाए 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले को एस्कॉर्ट सहित वाई प्लस के बजाए केवल वाई-प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी, वहीं केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे की वाई-प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली गई है। मनसे प्रमुख की सुरक्षा 'एस्कॉर्ट के साथ वाई प्लस' श्रेणी की गई है। भाजपा नेता एवं पूर्व सीएम नारायण राणे, राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल और पार्टी के वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार की सुरक्षा वापस ली गई है। राणे के पास 'वाई-प्लस' श्रेणी की सुरक्षा थी। इसके अलावा राज्य लोकायुक्त एम एल टाहिलियानी की सुरक्षा 'वाई' श्रेणी की गई है। सरकार ने दो लोगों की सुरक्षा बढ़ाई है, 11 की सुरक्षा कम की गई है, 16 लोगों की सुरक्षा वापस ली गई है, वहीं 13 नए लोगों को सुरक्षा दी गई है।

मुनव्वर राणा ने किया ट्वीट, विवाद बढ़ने पर किया डिलीट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मशहूर शायर मुनव्वर राणा ने एक बार फिर से ऐसा ट्वीट किया है, जिससे बवाल मच गया। इस ट्वीट में उन्होंने चंद पंक्तियों से संसद को गिराकर खेत बनाने की बात कही थी। हालांकि, विवाद बढ़ता देख उन्होंने ट्वीट को डिलीट कर दिया। बाद में उन्होंने कहा कि वे संसद की पुरानी इमारत को गिराकर खेत बनाने की बात कह रहे थे। मालूम हो कि मुनव्वर राणा देश के काफी मशहूर शायर हैं और उनकी कई शायरियां दुनियाभर में सुनी जाती हैं, लेकिन पिछले काफी समय से वे अपने बयानों पर घिरते रहे हैं। इसी तरह उन्होंने रविवार को भी एक ट्वीट किया, जिसपर बवाल मच गया। राणा ने अपने ट्वीट में लिखा, ***इस मुल्क के लोगों को रोटी तो मिलेगी, संसद को गिराकर वहां कुछ खेत बना दो। अब ऐसे ही बदलेगा किसानों का मुकद्दर, सेठों के बनाए हुए गोदाम जला दो। मैं झूठ के दरबार में सच बोल रहा हूं, गर्दन को उड़ाओ, मुझे या जिंदा जला दो।*** हालांकि, बाद में मुनव्वर राणा ने ट्वीट को डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक लोग स्क्रीनशॉट ले चुके थे और उसे शेयर कर रहे थे।

बर्फ में तैनात जवानों को ठंड से बचाएगा हिम तापक

डीआरडीओ ने बनाई खास डिवाइस

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के पूर्वी लद्दाख, सियाचीन और कश्मीर जैसे बर्फीले व ऊंचाई वाले इलाकों में सीमा पर ठंड से जूझने वाले भारतीय सेना के जवानों को डीआरडीओ ने खास तोहफा दिया है। दरअसल, डीआरडीओ ने 'हिम तापक' नाम की एक खास डिवाइस बनाई है, जो जवानों को सुरक्षित रखेगी। बता दें कि हिम तापक एक स्पेस हीटिंग डिवाइस है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि जवानों की मौत बैकब्लॉस्ट और कार्बन मोनो ऑक्साइड के जहर के कारण न हो।

सेना ने दिया 420 करोड़ रुपए का ऑर्डर- डिफेंस इंस्टीट्यूट आफ फिजियोलॉजी एंड अलॉइड साइंसेस के डायरेक्टर डॉ. राजीव वार्ष्णेय ने बताया कि भारतीय सेना ने इस डिवाइस के मैन्यूफेक्चरर्स को 420 करोड़ रुपए का ऑर्डर दिया है। इन्हें सेना व आईटीबीपी के उन सभी नए आवासों में लगाया जाएगा, जहां तापमान बहुत कम रहता है।

शीतदंश व बिवाई से बचाएगा 'एलोकल क्रीम'- डॉ. वार्ष्णेय ने बताया कि डीआरडीओ ने अत्यंत ठंडे सीमा क्षेत्रों में जवानों को शीत दंश व बिवाई व ठंड के कारण होने वाली अन्य समस्याओं से बचाने के लिए 'एलोकल क्रीम' भी तैयार किया है। उन्होंने हर साल भारतीय सेना पूर्वी लद्दाख, सियाचिन व अन्य क्षेत्रों के लिए इस क्रीम के 3 से 3.5 लाख जार के ऑर्डर देती है।

सोलर स्नो मेल्टर भी बनाया गया- डीआरडीओ ने बर्फीले सीमा क्षेत्रों में जवानों के पीने के पानी की समस्या दूर करने के लिए सोलर स्नो मेल्टर भी बनाया है। यह उपकरण हर घंटे पांच से सात लीटर पीने का पानी उपलब्ध करा सकता है। इससे शून्य से नीचे तापमान वाले इलाकों में तैनात जवानों को पीने के पानी की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

भारतीय सेना ने पाक को दिया करारा जवाब

तीन सैनिक मरे, कई चौकियां तबाह

जम्मू ■ एजेंसी

पाक को राजौरी जिले की एलओसी पर फायरिंग का करारा जवाब मिला है। पाक की तरफ से फायरिंग की आड़ में आतंकियों को इस तरफ भेजने का प्रयास किया गया, लेकिन भारतीय सेना ने उसे नाकाम किया।

रविवार को भारतीय सेना की तरफ से की गई कार्रवाई में पड़ोसी देश की चार चौकियों को बड़ा नुकसान पहुंचा है, जबकि तीन सैनिक मारे जाने और आधा दर्जन के घायल होने की सूचना है। पूरे इलाके में अतिरिक्त जवानों को लगाया गया है ताकि पाक की हर हरकत का कड़ा जवाब दिया जा सके। जानकारी के अनुसार, पाक की तरफ से राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में चौकियों को निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी गई। इस दौरान सेना के जवानों ने देखा कि कलसियां इलाके में फायरिंग की आड़ में आतंकियों के एक ग्रुप को इस तरफ भेजा जा रहा था। इसके बाद भारतीय सेना ने जवाब देना शुरू कर दिया। इस दौरान आतंकी तो वापस भाग गए, लेकिन पाक की तरफ से फायरिंग जारी रही। इस तरफ से जवाबी कार्रवाई में पाक की चार चौकियों को नुकसान हुआ, जिसमें उनके तीन जवान मारे गए हैं। नुकसान होने के बाद पाकिस्तान की तरफ से फायरिंग को बंद कर दिया गया। इस इलाके में भारतीय सेना ने सर्च ऑपरेशन चलाया।

शिकागो में अंधाधुंध फायरिंग, तीन की मौत, चार घायल

शिकागो, (एजेंसी)। शिकागो के साउथ साइड से गोलीबारी शुरू करने वाले एक व्यक्ति ने तीन लोगों की हत्या कर दी और चार अन्य लोगों को घायल कर दिया। पुलिस के साथ शहर के उत्तरी हिस्से में एक पार्किंग स्थल पर मुठभेड़ में सिरफिरा व्यक्ति मारा गया। जांचकर्ता हत्या के पीछे के इरादे का पता लगाने की कोशिश कर हैं। सबसे पहले बंदूकधारी जैसन नाइटेंगल (32)ने शिकागो विवि के छात्र (30) को बनाया निशाना। इसके बाद उसने एक अपार्टमेंट में एक सुरक्षा गार्ड को गोली मारी। फिर उसने वहां 77 वर्षीय एक महिला को भी गोली मारी। गार्ड की मौत हो गई वहीं महिला की हालत गंभीर है। एक दुकान में तीन लोगों को मारी गोली और दुकान से बाहर कार में बैठी 15 साल की एक लड़की पर गोली चला दी। उसकी हालत गंभीर है। इसके बाद ओरोपी और पुलिस पर फायरिंग की। जिसके बाद मुठभेड़ में वह मारा गया।

बीमारी का प्रसार रोकने केंद्र ने की कवायद

बर्ड फ्लू पर राज्यों के लिए परामर्श जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हरियाणा के पंचकुला जिले की दो मुर्गीपालन कंपनियों से लिये गए नमूनों में आईसीएआर-एनआईएचएसएडी द्वारा एवियन फ्लू (एआई) की पुष्टि के बाद, मप्र के शिवपुरी, राजगढ़, शाजापुर, आगर, विदिशा, उप्र के जूलॉजिकल पार्क, कानपुर और राजस्थान के प्रतापगढ़ व दौसा जिलों में प्रवासी पक्षियों में एवियन फ्लू के मामले दर्ज किए गए हैं। विभाग ने प्रभावित राज्यों के लिए परामर्श जारी किया है, ताकि बीमारी का प्रसार रोका जा सके। अभी तक सात राज्यों (केरल, राजस्थान, मप्र हिमाचल, हरियाणा, गुजरात और उप्र) में बीमारी की पुष्टि हो चुकी है। दिल्ली में 27 बतखों एवं 91 कौवों के मौत के बाद इनके नमूने जांच के लिए भेज गए हैं और रविवार को कर्नाटक के दक्षिण क्षेत्र में एक खंबे के नीचे दो चीलों की मौत के बाद इनमे नमूने भी जांच के लिए बेंगलुरू भेज दिए गए हैं।

राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को भेजे पत्र में सचिव डीएएचडी ने राज्य पशुपालन विभागों से बीमारी की स्थिति पर नजर रखने के लिए स्वास्थ्य अफसरों से प्रभावी संवाद और समन्वय सुनिश्चित करने तथा इंसानों में बीमारी के प्रसार की संभावनाओं से बचने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, जल स्रोतों, पक्षी बाजारों, चिड़ियाघरों, पोल्ट्री फार्म्स आदि के आस-पास निगरानी बढ़ा दी गई है, पक्षियों के अवशेषों का उचित निस्तारण और पोल्ट्री फार्म्स में मजबूत जैव सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

राज्यों से भी एवियन फ्लू की किसी घटना को लेकर तैयार रहने का अनुरोध किया गया है और पक्षियों को मारने के अभियान के लिए पीपीई किट्स और एसेसरीज का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्य सचिवों/ प्रशासकों से अफवाहों से प्रभावित ग्राहकों के लिए उचित परामर्श जारी करने की व्यवस्था करने और ऐसे पोल्ट्री या पोल्ट्री उत्पादों की सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने का अनुरोध किया है जो उबालने/ पकाने के बाद खाने के लिए सुरक्षित हैं।

केरल, हरियाणा हिमाचल के लिए केंद्रीय दल नियुक्त

केरल के दो प्रभावित जिलों में पक्षियों को मारने का अभियान पूरा हो गया है और केरल राज्य में पोस्ट ऑपरेशनल सर्विलांस प्रोग्राम से जुड़े दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। केरल, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के प्रभावित इलाकों की निगरानी के उद्देश्य से भ्रमण के लिए केंद्रीय दल नियुक्त कर दिए गए हैं और केरल में महामारी की जांच के लिए केंद्रीय दल पहुंच गए हैं। छत्तीसगढ़ ने आपात स्थिति के लिए आरआरटी दलों का गठन कर दिया है और निर्दिष्ट प्रयोगशाला को नमूने भी भेज दिए गए हैं।

रहस्य — अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के एक स्पेसक्राफ्ट ने वाई-फाई जैसे सिग्नल को पकड़ा

बृहस्पति के चंद्रमा से भेजा गया रेडियो संदेश?

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के एक स्पेसक्राफ्ट ने बृहस्पति ग्रह के चंद्रमा से आ रही एक वाई-फाई जैसे सिग्नल को पकड़ा है। जिसे वैज्ञानिकों ने किसी एफएम सिग्नल के जैसा पाया है। इस अनोखे सिग्नल को 2016 से बृहस्पति की परिक्रमा कर रहे जूनो अंतरिक्षयान ने पकड़ा है। बताया जा रहा है कि यह सिग्नल बृहस्पति के चंद्रमा गैनीमिड से आया था।

एफएम रेडियो सिग्नल जैसी थी यह रेडियो तरंग- नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, यह किसी एफएम सिग्नल के जैसा प्रतीत हो रहा है। अधिकतर सिग्नलों को एफएम और एएम रेडियो तरंगों के जरिए भेजा जाता है। जिसमें से एफएम रेडियो तरंगों को तकनीकी रूप से ज्यादा उन्नत माना जाता है। क्योंकि, संचरण यानी एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजे जाने के दौरान एफएम सिग्नलों में माध्यम की त्रुटियां जैसे शोरगुल आदि कम होता है।

बृहस्पति के चंद्रमा से मिला यह पहला सिग्नल- एबीसी4 की रिपोर्ट के अनुसार, आज से पहले कभी भी सोलर सिस्टम के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति के चंद्रमा से इतनी मजबूत तरंगों को पकड़ा नहीं गया है। जूनो को यह रेडियो वेब गैनीमिड चंद्रमा की गैस से बने ध्रुवीय क्षेत्र की परिक्रमा के दौरान मिला है। इस क्षेत्र में गैनिमेड की चुंबकीय क्षेत्र की रेखाएं गुजरती हैं।

बृहस्पति से पहले भी मिल चुके हैं सिग्नल- एक वेबसाइट ब्रिटेनिका.कॉम के अनुसार, बृहस्पति के रेडियो उत्सर्जन की खोज 1955 में की गई थी। पिछले 66 वर्षों में इस ग्रह से कई ऐसी रेडियो तरंगे मिली हैं। वैज्ञानिक अब यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ये सिग्नल आखिर कैसे संचालित होते हैं।

निजी ट्विटर अकाउंट बंद होने पर भड़के ट्रंप

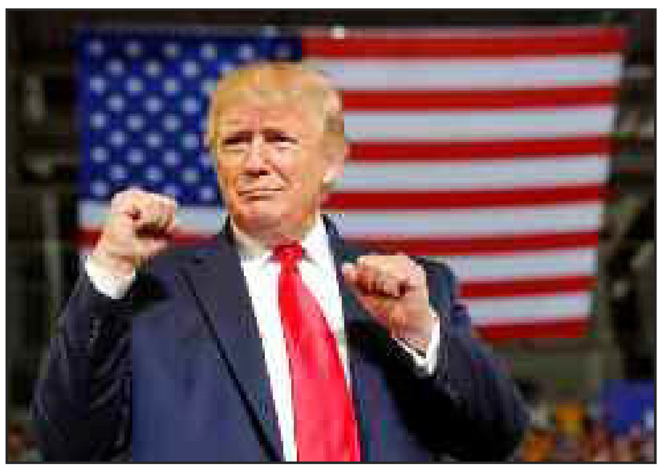

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर अपने समर्थकों को हिंसा के लिए भड़काने के आरोप लगने के बाद उनका निजी ट्विटर अकाउंड स्थायी रूप से बंद कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने देश के राष्ट्रपति के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कंपनी के खिलाफ डेमोक्रैट्स और लेफ्ट खेमे के साथ मिलकर फ्री स्पीच को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाया। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह जल्द ही अपना नया प्लैटफॉर्म तैयार करने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि, ये सभी ट्वीट कुछ ही मिनटों में डिलीट कर दिए गए। बीते बुधवार देश की संसद के बाहर हुई हिंसा के बाद ट्विटर ने ट्रंप का अकाउंट स्थायी रूप से बंद कर दिया था। कंपनी ने साफ कहा था कि और हिंसा की आशंका को देखते हुए ट्रंप का अकाउंट बंद कर दिया गया है। इसके बाद ट्रंप ने देश के राष्ट्रपति के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर ट्विटर पर हमला बोला। उन्होंने लिखा, मैं लंबे वक्त से कहता आया हूं कि ट्विटर फ्री स्पीच को बैन कर रहा है और आज उन्होंने डेमोक्रैट और कट्टर लेफ्ट के साथ मिलकर मुझे चुप करने के लिए मेरे अकाउंट को बंद कर दिया। उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट पर पहले ही दो हफ्तों या अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लग चुका है।

ट्रंप ने आगे लिखा ट्विटर प्राइवेट कंपनी होगी लेकिन बिना सरकार के धारा 230 के तोहफे के वह ज्यादा वक्त तक टिक नहीं सकेगी। ट्रंप का कहना है कि उन्हें पहले ही पता था कि यह होगा और वह पहले से दूसरी साइट्स से बात कर रहे हैं और जल्द ही बड़ा ऐलान किया जाएगा। निकट भविष्य में अपना खुद का प्लैटफॉर्म बनाने की संभावनाओं को देखा जा रहा है। आपको बता दें कि बुधवार को हजारों की संख्या में ट्रंप समर्थकों ने देश की संसद कैपिटल हिल पर हमला बोल दिया था। हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की दुनियाभर में निंदा हुई थी और विश्व नेताओं ने दुख जताया था। बाद में ट्रंप ने यूएस कैपिटल (संसद) पर हमला करने वाले दंगाइयों को घर जाने की अपील करने से पहले आई लव यू कहा था। इतना ही नहीं, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में धोखाधड़ी के अपने झूठे दावे भी दोहराए थे।

पिछले दिनों अफगानिस्तान की सीमा पर कोयले की खदान में काम कर रहे 11 मजदूरों की हत्या के विरोध में लाहौर में प्रदर्शन करती महिलाएं। बता दें कि इन मजदूरों को आतंकियों द्वारा अगवा कर गोली मारी गई।

बोस्निया के एक राहत कैंप में लगी आग के बाद उसे व्यवस्थित करने मे जुटे शरणार्थी। इस कैंप में सैकड़ों लोग रह रहे थे जिनके घर भारी बर्फबारी और बारिश के चलते बर्बाद हो गए।

नैंसी पेलोसी के कार्यालय में घुसने वाले ट्रंप समर्थक उपद्रवी को एफबीआई ने गिरफ्तार किया

लिट्ल रॉक, (एजेंसी)। एफबीआई ने अरकंसास के उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है, जो कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद) पर निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों के हमले के बाद आई तस्वीरों में प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के कार्यालय में कुर्सी पर बैठा दिखाई दिया था। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के शीर्ष उप संघीय अभियोजक केन कोल ने बताया कि रिचर्ड बारनेट नाम के उस व्यक्ति को शुक्रवार को लिट्ल रॉक में गिरफ्तार किया था।

कोल ने बताया बारनेट पर पेलोसी के कार्यालय में घुसने के आरोप लगाए गए हैं, वहां उसने कुछ लिख कर रखा और अध्यक्ष के कुछ संदेशों को हटा दिया था। बारनेट पर जानबूझकर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने और बिना अधिकार के वहां बने रहने, कैपिटल बिल्डिंग में हंगामा करते हुए प्रवेश करने तथा सार्वजनिक संपत्ति या रिकॉर्ड की चोरी करने जैसे तीन आरोप लगाए गए हैं। अगर वह दोषी पाया जाता है तो उसे एक साल तक कैद की सजा हो सकती है।

फिलहाल उसे अरकंसास के वाशिंगटन काउंटी जेल में रखा गया है। जेल रिकॉर्ड में अभी उसके लिए कोई अटॉर्नी सूचीबद्ध नहीं किया गया है। अधिकारियों ने बताया बारनेट ट्रंप के उन समर्थकों में शामिल है जो बुधवार को कैपिटल बिल्डिंग में घुस आए थे। इस हिंसक घटना में कैपिटल पुलिस के एक अधिकारी समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने अदालत के दस्तावेजों में बताया है कि वे मीडिया में आई तस्वीरों के माध्यम से बारनेट को पहचानने में सफल रहे, तस्वीरें उस समय की है, जब वह इमारत के भीतर था।

अधिकारियों ने उसकी पहचान के लिए कैपिटल बिल्डिंग के भीतर लगे निगरानी कैमरों के वीडियो और एक समाचारपत्र के संवाददाता के साथ उसके साक्षात्कार के वीडियो का इस्तेमाल किया, जिसमें वह कह रहा है कि उसने कोई लिफाफा नहीं चुराया। बारनेट उत्तर पश्चिमी अरकंसास के ग्रावेटे से है और उसने सोशल मीडिया पर अपनी पहचान ट्रंप समर्थक और बंदूक अधिकारों की वकालत करने वाले शख्स के तौर पर बताई है।

पाकिस्तान में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ के मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पेशावर, (एजेंसी)। पाकिस्तान पुलिस ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हिंदू मंदिर में की गई तोड़फोड़ के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के प्रमुख सनाउल्ला अब्बासी ने कहा कि आरोपी की पहचान फैजुल्ला के रूप में हुई है। उसे करक जिले से गिरफ्तार किया गया है। अब्बासी ने दावा किया कि उसी ने भीड़ को मंदिर पर हमला करने और वहां धार्मिक नेता की समाधि को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाया था। पुलिस प्रमुख ने कहा कि इस मामले में अब तक 110 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कट्टरपंथी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पार्टी (फजलुर्रहमान समूह) के सदस्यों द्वारा पिछले सप्ताह खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले के टेरी गांव में मंदिर पर हमला किये जाने की मानवाधिकार कार्यकताओं और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने कड़ी निंदा की थी।

हिंदू समुदाय के सदस्यों को मंदिर की दशकों पुरानी इमारत की मरम्मत की अनुमति मिलने के बाद भीड़ ने उसपर हमला कर दिया था। भीड़ ने नए निर्माण के साथ साथ पुराने ढांचे को भी तोड़ दिया था। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने एवैक्वी प्रॉपर्टी ट्रस्ट बोर्ड (ईपीटीबी) को क्षतिग्रस्त मंदिर के पुनर्निमाण का आदेश देते हुए निर्माण कार्य का पैसा हमलावरों वसूलने का निर्देश दिया था, जिनकी हरकतों की वजह से पाकिस्तान को दुनियाभर में शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़ा अल्संख्यक समुदाय है। आधिकारिक अनुमान के अनुसार पाकिस्तान में 75 लाख हिंदू रहते हैं।

2021 में खत्म हो जाएगा कोरोना का संकट, पटरी पर लौट पड़ेगी जिंदगी, चीन से पैदा होगा नया वायरस : पार्कर

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना की तबाही से सन 2020 पूरी तरह बर्बाद हो गया। 100 साल पहले आए स्पैनिश फ्लू के बाद यह दुनिया की सबसे भयंकर महामारी थी, जिसने हर किसी को बुरी तरह डरा दिया। अभी भी महामारी का संकट दुनिया के सिर से टला नहीं है। ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में वायरस की तबाही इसका सबूत है। इसी बीच ब्रिटिश के एक लोकप्रिय भविष्यवक्ता ने कोरोना को लेकर चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है और एक नए खतरे को लेकर चेतावनी भी दी है। ब्रिटेन के जाने-माने भविष्यवक्ता क्रेग हेमिल्टन पार्कर ने भविष्यवाणी की है कि सन 2021 में कोरोना महामारी पर नियंत्रण हो जाएगा। हैमिल्टन पार्कर ने कहा कि बड़े पैमाने पर वैक्सीनेशन के चलते लोग एक बार फिर अपनी पुरानी जिंदगी में वापस लौट सकेंगे। उन्होंने कहा इस साल गर्मियां खत्म होने तक महामारी का हल खोज लिया जाएगा। हालांकि, तीन मजबूत प्रतिबंधों के साथ पूरा यूनाइटेड किंगडम वायरस की पकड़ में रहेगा। जबकि स्कॉटलैंड पर भारी संकट मंडराएगा।

हैमिल्टन पार्कर के मुताबिक, यूनाइटेड किंगडम अगस्त तक वायरस के चंगुल से आजाद होगा। वैक्सीन लगने के बाद लोग फिर से अपनी आम जिंदगी में दाखिल हो सकेंगे। वैक्सीन लेने से इनकार करने वाले लोगों को अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के दौरान प्रतिबंधों का सामना करना होगा। हैमिल्टन पार्कर ने कहा वैक्सीन आने के बाद लाखों लोगों की जान बचेगी। इसमें ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन का मुख्य रोल रहेगा। कम कीमत और आसानी से स्टोर होने की वजह से ये वैक्सीन बाजार में ज्यादा भरोसा जीतने में कामयाब होगी।

भविष्यवक्ता ने यह भी कहा कि अकेले ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन ही दुनियाभर में लाखों लोगों की जान बचाने का काम करेगी। ब्रिटेन के अलावा, भारत और अफ्रीका जैसे देशों में इसका सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया जाएगा। बता दें कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका के साथ मिलकर कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड का निर्माण किया है। जबकि सीरम इंस्टीट्यूट में कोविशील्ड का प्रोडक्शन और पैकेजिंग किया जा रहा है।

हैमिल्टन पार्कर ने अपनी भविष्यवाणी में यह भी कहा है कि वैक्सीनेशन कोविड-19 की महामारी को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाएगा। बल्कि इससे वायरस एक ऐसे रूप में परिवर्तित हो जाएगा, जिसके बाद वैक्सीन की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। अमेजन और साइबेरिया जैसे दूर-दराज के इलाकों में वायरस कायम रहेगा। कोरोना वायरस से तबाही थमने के बाद हैमिल्टन पार्कर ने चीन में एक नए वायरस के पैदा होने की भविष्यवाणी भी की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, जल्द कोरोना वैक्सीन भेजने का किया आग्रह

ब्राजीलिया, (एजेंसी)। घातक वायरस कोरोना से सबसे प्रभावित देश ब्राजील के राष्ट्रपति जैर बोलसोनारो ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिख कर एस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन जल्द भेजने का आग्रह किया है। ब्राजील दक्षिण अमेरिका के सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में हैं। कोरोना वायरस के चलते अमेरिका के बाद ब्राजील में सबसे ज्यादा मौत हुई है। राष्ट्रपति के प्रेस ऑफिस ने ये पत्र ऐसे समय में जारी किया है जब बोलसोनारो पर देश में कोरोना वायरस को खत्म करने के लिए जल्द से जल्द वैक्सीन रोलआउट करने को लेकर दबाव बढ़ता जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि ब्राजील वैक्सीन के मामले में अपने पड़ोसी देशों से पीछे चल रहा है। इसके लिए सरकार पर शिथिलता को वजह बताया जा रहा है और कहा जा रहा है कि बोलसोनारो सरकार को तेजी से कोशिश करनी चाहिए। ब्राजील के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा है कि हमारे राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तत्काल कार्यान्वयन को सक्षम बनाने के लिए तेजी से और भारतीय टीकाकरण कार्यक्रम को खतरे में डाले बिना ब्राजील को 20 लाख डोज की आपूर्ति की मैं सराहना करूंगा। प्रधानमंत्री मोदी के लिए बोलसोनारो का संदेश ऐसे वक्त में आया है जब एक दिन पहले ही ब्राजील सरकार द्वारा संचालित फियोक्रूज बॉयोमेडिकल सेंटर ने कहा था कि ब्राजील में एस्ट्राजेनेका की लाखों डोज इस महीने के अंत से पहले शायद नहीं पहुंच पाएंगी। फियोक्रूज ने कहा है कि वह वैक्सीन की डोज के लिए बातचीत कर रहा है। इसमें भारत से मंगाई जाने वाली 20 लाख डोज प्रमुख है। इसके पहले फियोक्रूज ने भारत से पहुंचने वाली एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को आपात उपयोग की अनुमति देने की अपील की थी।

कोरोना वायरस संक्रमण से बचने के लिए दंपती ने बुक कर ली पूरी फ्लाइट

जकार्ता, (एजेंसी)। दुनिया में कोरोना वायरस के कहर से लोग बुरी तरह परेशान है। ऐसे में संक्रमण से बचने के लिए लोगों को एक दूसरे से उचित दूरी बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। यही वजह है कि लोग बीते एक साल से यात्रा करने से भी कतराने लगे हैं लेकिन इंडोनेशिया में एक व्यक्ति ने फ्लाइट में यात्रा करने के लिए जो किया वो जानकर आप दंग हो जाएंगे कि लोगों के मन में किस कदर कोरोना का खौफ बैठ गया है। इंडोनेशिया के एक शख्स ने अपनी पत्नी के साथ सुरक्षित यात्रा करने के लिए कोरोना के भय से पूरी पैसेंजर फ्लाइट ही बुक कर ली। जकार्ता के उस शख्स रिचर्ड मुल्जादी ने एक विमान की तस्वीरें पोस्ट कीं, जहां वे और उनकी पत्नी एकमात्र यात्री थे।

लोग कोरोना वायरस के डर के कारण सार्वजनिक परिवहन से बचने की कोशिश कर रहे हैं। यहां तक कि अगर कोई सभी सोशल डिस्टेंसिंग उपाय करता है, फेस मास्क, दस्ताने पहनता है, सैनिटाइजर का इस्तेमाल करता है तो भी लोगों एक दूसरे को शक भरी नजरों से देख रहे होते हैं। इसी डर से निपटने के लिए रिचर्ड मुल्जादी ने यह तरीका अपनाया। रिचर्ड अपनी भव्य जीवन शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने जकार्ता से बाली के लिए अपनी पत्नी के साथ उड़ान भरी। इस हफ्ते की शुरूआत में, उन्होंने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों को साझा किया, जिसमें दिख रहा था की पूरे विमान में बस वो और उनकी पत्नी ही बैठी थीं और सभी सीटें खाली थी।

हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि उड़ान को निजी रखने के लिए कितना भुगतान किया। उन्होंने ये जरूर बताया कि एक चार्टर प्लेन की तुलना में पैसेंजर विमान की बुकिंग सस्ती थी। रिचर्ड ने कहा कि वह और उनकी पत्नी, शाल्विन चांग वायरस को लेकर बेहद डरे हुए थे। बाटिक एयर का संचालन करने वाली कंपनी लॉयन एयरलाइंस ने कथित तौर पर इसकी पुष्टि की कि उड़ान में एकमात्र यात्री रिचर्ड और उसकी पत्नी थे। रिचर्ड इंडोनेशिया के बड़े कारोबारी के तौर पर भी जाने जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं इसे देखते हुए सरकार ने ब्रिसबेन में तीन दिन का लॉकडाउन लगाया है। लॉकडाउन के दौरान सख्त पाबंदी लागू की गई है।

राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद सबसे पहले आव्रजन कानून पेश करेंगे बाइडेन

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह पद संभालने के तत्काल बाद ट्रंप प्रशासन की नीतियों को पटलते हुए एक आव्रजन कानून लेकर आएंगे। बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। उन्होंने डेलावेयर के विलमिंगटन में कहा मैं तत्काल आव्रजन कानून लेकर आऊंगा। इन्हें विचार-विमर्श के लिए उचित समितियों को भेजा गया है। बाइडन से पूछा गया था कि वह 20 जनवरी को पदभार संभालने के बाद सबसे पहले क्या काम करेंगे, जिसके जवाब में उन्होंने यह बात कही। इससे पहले भी बाइडन ने वादा किया था कि वह पद संभालने के बाद 100 दिन के अंदर आव्रजन संबंधी प्रणाली में सुधार करेंगे। ट्रंप की आव्रजन नीतियों को पलटना बाइडन के मुख्य चुनावी वादों में से एक है।

सनकी ट्रंप कहीं कर न दें परमाणु हमला, न्यूक्लियर लॉन्च कोड को लेकर अमेरिका में बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के संसदीय इतिहास में बुधवार को हुए अप्रत्याशित हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी लामबंद हो गई है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर और ट्रंप की धुर विरोध नेंसी पेलोसी ने न्यूक्लियर कोड की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। डेमोक्रेटिक सांसदों को लिखी चिट्ठी में पेलोसी ने कहा है कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के परमाणु कोड को लेकर अमेरिकी सेना के प्रमुख से बात की है। बता दें कि इस कोड की मदद से ही अमेरिका का राष्ट्रपति परमाणु हमला करने का आदेश देता है। पेलोसी ने कहा कि आज सुबह मैंने अमेरिकी सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन मार्क मिले से बात की। मैंने एक अस्थिर राष्ट्रपति को सैन्य शत्रुता की शुरूआत करने या न्यूक्लियर लॉन्च कोड तक पहुंच से रोकने और परमाणु हमले का आदेश देने को लेकर सावधानियों पर चर्चा की। इस अस्थिर राष्ट्रपति को लेकर इससे खतरनाक स्थिति और कुछ नहीं हो सकती है।

उन्होंने कहा कि हम अपने देश, हमारे लोगों और हमारे लोकतंत्र को किसी भी हमले से बचाने के लिए वह सब कुछ करना चाहिए जो हम कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जितनी जल्दी हो सके वह डोनाल्ड ट्रंप को पद से हटाने की कार्यवाही शुरू होने की उम्मीद कर रही हैं। अमेरिका का राष्ट्रपति न्यूक्लियर लॉन्च कोड के जरिए अपनी सेना को जल, थल या नभ से किसी भी देश पर परमाणु हमले का आदेश दे सकता है। एक बार आदेश देने के बाद अमेरिकी सेना चाहकर भी मना नहीं कर सकती है। जब भी अमेरिका में कोई नया राष्ट्रपति चुना जाता है तो उसे ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ की तरफ से न्यूक्लियर लॉन्च कोड सौंपे जाते हैं। डेमोक्रेटिक सांसदों को डर है कि अपना कार्यकाल खत्म होते-होते डोनाल्ड ट्रंप कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिससे नए राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी। माना जा रहा है कि ट्रंप ईरान, चीन या रूस के ऊपर परमाणु हमले का आदेश दे सकते हैं। हालांकि ऐसा होने की उम्मीद बेहद कम है। फिर भी सतर्कता दिखाते हुए अमेरिकी सांसद कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहते हैं।

दिल्ली में जीवित पक्षियों के आयात पर लगी पाबंदी

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। दिल्ली सरकार बर्ड फ्लू को लेकर सभी जरूरी कदम उठा रही है और हालात पर नजर बनाए हुए है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बर्ड फ्लू को लेकर घबराने या चिंता करने की बात नहीं है। अभी तक दिल्ली में एक भी कंफर्म केस नहीं पाए गए हैं। फिर भी दिल्ली सरकार ने 104 सैंपल लेकर जांच के लिए जालंधर लैब भेजा है और सोमवार तक रिपोर्ट आने की उम्मीद है।

इसके अलावा, एहतियातन दिल्ली में जीवित पक्षियों के आयात को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने के साथ गाजीपुर पोल्ट्री मार्केट को 10 दिनों तक बंद रखने का निर्णय लिया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने एक हेल्पलाइन नंबर 23890318 जारी किया है। सभी जिलों में रैपिड रिस्पॉस टीमें बना दी गई हैं और वेटनरी अधिकारी सभी बर्ड मार्केट, वाइल्ड लाइफ संस्थानों व जल निकायों पर नजर रख रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि पिछले कुछ दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में बर्ड फ्लू के मामले आए हैं, जिसकी वजह से चारों तरफ एक चिंता बनी हुई है। अभी तक मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश,

- गाजीपुर पोल्ट्री मार्केट को 10 दिनों तक बंद रखने का लिया निर्णय
- दिल्ली सरकार ने 104 सैंपल जांच के लिए जालंधर लैब भेजे

हेल्पलाइन नंबर किया जारी

सरकार ने 24 घंटे के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है, जिसका नंबर 23890318 है। दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से पक्षियों के मरने की खबरें आ रही हैं, खास तौर पर कौओं की मौतें हो रही हैं। उनके ऊपर उसी जिले की रैपिड रिस्पॉस टीमें तुरंत पहुंच कर उचित कार्रवाई कर रही हैं।

राजस्थान और केरल में कुछ बर्ड फ्लू के मामले देखे गए हैं। दिल्ली में अभी तक बर्ड फ्लू का एक भी कन्फर्म केस नहीं पाया गया है। हमने लगभग 104 सैंपल अभी तक उठाएं है। वह सैंपल जांच के लिए हमने जालंधर लैब में भेजे हैं, वहां से परसों (सोमवार) तक उसके नतीजे आने की उम्मीद है। लैब की रिपोर्ट के आधार पर आगे जो भी निर्णय लेने की जरूरत पड़ेगी, दिल्ली सरकार वो सभी निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बारे में कई दिशा-निर्देश और गाइड लाइंस जारी की हैं। उन सभी दिशा निर्देशों और गाइड लाइंस का दिल्ली सरकार पालन कर रही है। उसके हिसाब से सभी कदम दिल्ली के अंदर उठाए जा रहे हैं। दिल्ली के हर जिले के अंदर डीएम की निगरानी में सर्विलांस टीम बना दी गई हैं। रैपिड रिस्पॉन्स टीम बनाई गई हैं, जो पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रही हैं। दिल्ली में जितने भी बर्ड मार्केट, वाइल्ड लाइफ संस्थान और जल निकाय हैं, इन सभी पर लगातार हमारे वैटरनिरी अधिकारी निगरानी कर रहे हैं। इन सभी टीमों का विशेष ध्यान पोल्ट्री मार्केट गाजीपुर, शक्ति स्थल झील, संजय झील, भलस्वा झील, दिल्ली जू, हौज खास विलेज स्थित डीडीए पार्क, पश्चिम विहार और द्वारका पर है। सीएम ने कहा कि अभी तक 104 सैंपल लिए गए हैं, उनको हमने जांच के लिए जालंधर भेजा है। उनकी जांच रिपोर्ट आने के बाद जो भी उचित और ठोस कदम उठाने की जरुरत पड़ेगी, वह दिल्ली सरकार उठाएगी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने आज एहतियात के तौर पर दो निर्णय लिए हैं। एक यह कि दिल्ली के अंदर लाइव बर्ड्स जीवित पक्षी के आयात पर आज से पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। दिल्ली शहर में बाहर से कोई भी जीवित पक्षी लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दूसरा यह कि दिल्ली के गाजीपुर पोल्ट्री मार्केट को 10 दिन के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। दोनों ही निर्णय आज से दिल्ली में लागू किए जा रहे हैं। सोमवार को जब लैब से जांच परिणाम आ जाएंगे, तो जो भी उचित कदम उठाने की जरूरत है, वह सभी कदम उठाए जाएंगे।

किसान आंदोलन के समर्थन में उतरे सितारे

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर, कहा- मैं किसान तो नहीं लेकिन रोटी से मेरा नाता है

नई दिल्ली,(कुलदीप त्यागी)। हरियाणा बॉर्डर पर लगातार किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शन कर रहे किसानों के समर्थन में कलाकार भी उतर रहे हैं। बॉलीवुड की जानी मानी अदाकारा स्वरा भास्कर ने भी किसानों के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। स्वरा ने कहा मैं किसान तो नहीं हूं पर रोटी खाती हूं और रोटी किसान ही पैदा करता है। इसलिए मेरा किसानों से नाता है। स्वरा भास्कर के साथ मशहूर पंजाबी सिंगर हरभजन मान, आर्य गब्बर औऱ नूर चहल सहित कई पंजाबी सिंगर भी स्टेज पर मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 519 नए मामले

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के नए मरीजों की संख्या एक बार फिर 500 के पार पहुंच गई है। वहीं संक्रमण दर भी 0.59 फीसदी से बढ़कर 0.65 फीसदी पर आ गई है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि सक्रिय मरीजों की दर में लगातार कमी आ रही है और आज यह पहली बार 0.58 फीसदी पर पहुंच गई है। वहीं, रिकवरी दर पहली बार 97.72 फीसदी के उच्चतम स्तर पर है। शनिवार को दिल्ली सरकार की तरफ से जारी कोरोना हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना के 519 नए मामले सामने आए हैं। आज की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 629801 हो गई है। अब तक के कुल आंकड़े के अनुसार संक्रमण दर देखें, इसमें भी काफी कमी दिख रही है। कुल संक्रमण दर अब लगातार 7 फीसदी से नीचे है और यह अभी 6.76 फीसदी है।

स्वच्छता रैंकिंग प्राप्त करने वाले आरडब्ल्यूए एवं निगम विद्यालय सम्मानित

नई दिल्ली। मध्य क्षेत्र के कार्यालय में आयोजित एक समारोह में सर्वश्रेठ स्वच्छता रैंकिंग प्राप्त करने वाले 5 आरडब्ल्यूए को पुरस्कृत किया गया। आरडब्ल्यूए पॉकेट जी सरिता विहार को प्रथम स्थान, आरडब्ल्यू ए

पॉकेट बी सरिता विहार को द्वितीय स्थान के लिए पुरस्कृत किया गया, आरडब्ल्यूए डिफेंस कॉलोनी को तृतीय स्थान के लिए सम्मानित किया गया। आरडब्ल्यूए डी डी ए फ्लैट्स मदन पुर खादर, आर डब्ल्यू ए पॉकेट एल सरिता विहार को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। निगम विद्यालय की श्रेणी में प्रथम छः स्कूल, निगम विद्यालय तुगलकाबाद बाल,निगम विधालय साउथ एक्सटंशन 1, निगम विद्यालय मीठापुर एक्सटेंशन 1, निगम विधालय तुगलकाबाद एक्सटेंशन 1-2, रामजस प्राथमिक स्कूल दरियागंज, निगम विद्यालय सेवा नगर एन ब्लॉक, निगम विद्यालय जेजे कॉलोनी फेस 3-2, निगम विद्यालय तुगलकाबाद एक्सटेंशन 2-2, निगम विद्यालय जंगपुरा एक्सटेंशन। मध्य क्षेत्र के वार्ड 58 की पार्षद सीमा मलिक , वार्ड 101 की पार्षद नीतू ,उपायुक्त अवनीश कुमार, अधीक्षण अभियंता एम एल खान एवं सहायक आयुक्त पतंजलि प्रकाश द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय में प्रदान किए गए।

पार्किंग नियमों के उल्लंघन पर 10 ठेकेदारों पर 2 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने करोल बाग क्षेत्र में सभी पार्किंग स्थलों की जाँच करने के लिए एक अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत यह देखा गया की अजमल खान रोड, आर्य समाज रोड जैसे कई प्रमुख पार्किंग स्थलों पर ठेकेदार नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। उनके कर्मचारी बिना वर्दी के पार्किंग स्थलों को संचालन कर रहे थे और उपकरणों के माध्यम से पर्चियों को काटने के बजाय हाथ से पार्किंग पर्ची लोगों के दे रहे थे। 15 से अधिक पार्किंग स्थलों पर कोई बोर्ड नहीं था। लगभग 10 पार्किंग स्थलों पर 2 लाख तक का जुर्माना लगाया गया है।

एकतरफा प्यार में युवक ने युवती के दोस्त को चाकू से गोदा

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)। बिंदापुर इलाके में एकतरफा प्यार में युवक ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर युवती के दोस्त को चाकू मार दिया और फरार हो गए। घायल को सड़क पर पड़ा देख राहगिरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। बिंदापुर थाना पुलिस ने घायल 20 वर्षीय मकर को अस्पताल पहुंचाया और हत्या का प्रयास की धाराओं में केस दर्ज कर तीन आरोपियों नीरज, साहे आलम और आशु को गिरफ्तार कर लिया। नीरज मामले में मुख्य आरोपी हैं। पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया 6 जनवरी को एक राहगिर से युवक को चाकू मारने की सूचना दी। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए डीडीयू अस्पताल पहुंचाया। वह बयान देने की स्थिति में नहीं मिला। पुलिस ने घटना की बाबत हत्या का प्रयास का मुकदमा दर्ज कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने टैक्नीकल सर्विलांस की मदद ली और घायल की पहचान की। घायल की पहचान के बाद पुलिस को पता चला कि उसे अंतिम बार नीरज के साथ देखा गया था। पुलिस ने नीरज की तलाश की और उसे दबोच लिया। नीरज से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके दोनों दोस्तों साहे आलम और आशु को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नीरज ने पूछताछ में बताया कि वह एक युवती से एक तरफा प्यार करता है। वही युवती मकर नाम के एक अन्य युवक से बात करती थी। यही बात उसे बर्दाश्त नहीं हुई और उसने अपने दो साथियों के संग मिलकर इस युवक पर हमला कर दिया था। तीनों आरोपी उत्तम नगर और नरेला के रहने वाले हैं।

3 लाख विद्यार्थियों को राशन किट देगा दक्षिणी निगम

नई दिल्ली, 9 जनवरी **(एजेंसी)।** दक्षिणी निगम के प्राथमिक विद्यालय कुतुब विहार,नजफगढ़ ज़ोन में आयोजित समारोह में शनिवार को निगम विद्यार्थियों को राशन किट वितरण योजना की शुरुआत की गई। समारोह में महापौर अनामिका और भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने 100 अभिभावकों को राशन किट वितरित कर, इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर महापौर अनामिका ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत निगम के लगभग तीन लाख विद्यार्थियों को राशन किट वितरित की जाएगी। इस कोरोना काल में लॉक डाउन के दौरान सभी निगम स्कूल बंद है और इस

महापौर और भाजपा अध्यक्ष ने की शुरुआत

दौरान निगम छात्रों के अभिभावकों के बैंक खाते में मी-डे मिल की जगह धन राशि जमा कराई जा रही थी, लेकिन अब यह किट उन्हें उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें लगभग 20 किलो सूखा राशन है। इस राशन किट में छात्रों के लिए कुल 20 किलो अनाज गेहूं, चावल, दाल और तेल मिलेगा। इस राशन किट में 6 महीने का राशन होगा। इस अवसर पर स्थायी समिति के अध्यक्ष राजदत गहलोत, नजफगढ़ जोन की अध्यक्षा सुमन डागर, शिक्षा समिति के अध्यक्ष मुकेश सुर्यान, क्षेत्रीय पार्षद पवन शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त एए ताजीर,उपायुक्त राधा किशन और अन्य पार्षदगण व अधिकारी उपस्थित थे। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता इस ने बताया कि दक्षिणी निगम द्वारा इस पहल की शुरुआत की गई है और सभी नगर निगमों को यह योजना लागू करनी चाहिए। हमारे देश में बहुत से ऐसे छात्र हैं, जो सरकारी स्कूलों से मिड डे मील प्राप्त करते थे।

कमलेश मिश्रा की फीचर फिल्म 'आजमगढ़' फिल्म फेस्टिवल्स में चयनित

नई दिल्ली, 9 जनवरी **(एजेंसी)।** डॉक्युमेंटरी फिल्म 'मधुबनी: दि स्टेशन ऑफ कलर्स' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके फिल्मकार कमलेश के मिश्र की फीचर फिल्म 'आज़मगढ़' एक साथ अमेरिका के तीन बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में चयनित हुई है। सियेटल फिल्म फेस्टिवल में आजमगढ़ 'फायनलिस्ट' लेवल पर पहुंच गई है, डीसी साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में आजमगढ़ 'सेमी फायनलिस्ट' की श्रेणी में आ चुकी है, जबकि साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल लॉस एजेंल्स हॉलीवुड में फिल्म का ऑफिशियली चयन हो चुका है। गौरतलब है कि 'आजमगढ़' कमलेश के मिश्र की डेब्यू यानि पहली फीचर फिल्म है। आतंकवाद से जुड़ी कुछ सच्ची

घटनाओं पर आधारित इस फिल्म की एक महत्वपूर्ण भूमिका में ख्यातिप्राप्त अभिनेता पंकज त्रिपाठी हैं। नवोदित अभिनेता अनुज शर्मा फिल्म में ऐसा किरदार निभा रहे हैं जो अच्छी तालीम के बावजूद आतंकी घटनाओं में शामिल होने पर मजबूर हो जाता है। फिल्म की कहानी सन 2001 से 2008 के बीच की है जब भारत, अमेरिका और यूरोप के कई बड़े देश बड़े आतंकी हमलों से दहल उठे थे। आजमगढ़ न सिर्फ उन घटनाक्रमों को रेखांकित करती है बल्कि आतंकवाद से पार पाने की राह भी सुझाती है। बता दें कि कमलेश के मिश्र की पहली शॉर्ट फिल्म 'किताब' तमाम बड़े अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में अवॉर्ड जीत चुकी है। कमलेश के मिश्र फिलहाल अपनी अगली फ़िल्म की स्क्रिप्ट पूरी कर रहे हैं।

महापौर ने आजादपुर मंडी के आसपास के क्षेत्रों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली, 9 जनवरी **(एजेंसी)।** उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने शनिवार को नागरिक सेवाओं का जायजा लेने के लिए आजादपुर मंडी के आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं समिति के अध्यक्ष, सुजीत ठाकुर, क्षेत्रीय पार्षद, गरिमा गुप्ता, सिविल लाइंस क्षेत्र के उपायुक्त, राजेश गोयल व निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने और संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र की साफ-

सफाई सुचारु सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर नागरिकों की समस्याओं को सुना और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। महापौर ने आजादपुर मंडी के निरीक्षण के दौरान मंडी के फल विक्रेताओं से उनकी समस्याओं को सुना और इस संबंध में यथासंभव कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महापौर ने आजादपुर मंडी के पास प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों के एक दल से मुलाकात की और उनकी सभी समस्याओं का जल्द से जल्ज सुलझाने का आश्वासन दिया। महापौर ने कहा कि वे निगम के सभी कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत है और उन्हे सुलझाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार निगम का फंड रोक कर बैठी है जिसे के कराण वेतन संबंधित समस्या उतपन्न हो रही है।

बहनों ने बनाया गैंग, गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 जनवरी **(एजेंसी)।** दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ की टीम ने दो सगी बहनों को लूटपाट और ठगी के आरोप में सुल्तानपुरी इलाके से शुक्रवार शाम गिरफ्तार किया है।

दोनों बहनों ने अपने पतियों के साथ मिलकर गैंग बनाई हुई थी और ऑटो से लूटपाट कर फरार हो जाती थी। पुलिस ने आरोपियों मदन, आरती और किरण के पास से ऑटो रिक्शा, ज्वैलरी और 3 मोबाइल बरामद किए है। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि 25 दिसम्बर को महरौली थाने में एक बुजुर्ग महिला ने

पुलिस ने ऑटो रिक्शा, ज्वैलरी और 3 मोबाइल बरामद किए

शिकायत दी थी कि वह अपना चश्मा सही कराने के लिए जा रही थी। रास्ते में उन्होंने एक महिला से धौला कुंआ जाने का रास्ता पूछा। महिला अभी बुजुर्ग को रास्ता बता ही रही थी कि दो और महिला वहां आ गई। तीनों महिलाओं ने मदद करने की बात कहीं और बुजुर्ग महिला को लाडो सराय के एक पार्क में ले गई। जहां एक ऑटो पहले से खड़ा था। महिलाओं ने बुलुर्ग महिला ने लूट होने की बात कहकर उसकी ज्वैलरी उतरवाकर एक रूमाल में रखी और फिर बुजुर्ग महिला के बैग में रख दी। बुजुर्ग महिला काम खत्म होने के बाद जब अपने घर पहुंची तो उसने देखा की बैग में ज्वैलरी नहीं थी। जिसके बाद बुजुर्ग महिला को अपने साथ ठगी होने सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर गिरीश कुमार, एसआई संजय की टीम ने घटनास्थल की सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों के बारे में जानकारी निकाली। पुलिस टीम को ऑटो के मालिक मदन के बारे में जानकारी मिली। जिसे सुल्तानपुरी से पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने मदन की निशानदेही पर दोनों बहनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि आरती और किरण दोनों बहन है। दोनों के पति सगे भाई हैं। ऐसे में उन सभी ने मिलकर एक गैंग बना ली। जिसमें मदन और कई अन्य लोंगों को शामिल कर लिया। उनकी गैंग बुजुर्गों को निशाना बनाती थी और लूटपाट करती थी। सभी आरोपी सुल्तानपुरी के रहने वाले हैं। फिलहाल पुलिस बाकि आरोपियों की तलाश कर रही है।

प्रशिक्षण दिल्ली सरकार ने स्कूल शिक्षकों के लिए शुरू किया सर्टिफिकेट प्रोग्राम

अमेरिकी दूतावास के सहयोग से प्रशिक्षित हुए 800 शिक्षक

नई दिल्ली, 9 जनवरी **(एजेंसी)।** उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को दिल्ली के सरकारी स्कूलों के अंग्रेजी शिक्षकों के लिए टीचिंग इंगलिश टू स्टूडेंट्स ऑफ अदर लेंगवेजेज कोर सर्टिफिकेट प्रोग्राम लॉन्च किया। इस मौके पर भारत स्थित अमेरिकी दूतावास के क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा अधिकारी रूथ गूड भी मौजूद थीं। इस सर्टिफिकेट प्रोग्राम का उद्देश्य दिल्ली के सरकारी स्कूलों के अंग्रेजी शिक्षकों की भाषा शिक्षण क्षमता बढ़ाकर अंग्रेजी की उत्कृष्ट पढ़ाई सुनिज्श्चित करना है। इस सर्टिफिकेट प्रोग्राम में 50 शिक्षकों को शामिल किया गया है। सिसोदिया ने कहा कि शिक्षकों को अपना कौशल लगातार बढ़ाते रहना जरूरी है।

अमेरिकी दूतावास के क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय द्वारा संचालित किया जा रहा प्रोग्राम

हम चाहते हैं कि हमारे शिक्षक जिन चीजों को पहले से जानते हैं, उन्हें खास तरीके से करें। इस सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम से शिक्षकों को अपनी कक्षाओं में अधिक रचनात्मकता लाने में मदद मिलेगी।

लॉन्च के दौरान भारत स्थित अमेरिकी दूतावास के क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा अधिकारी रूथ गूड भी मौजूद थीं। उन्होंने दिल्ली सरकार के साथ अमेरिकी दूतावास के लंबे अरसे से जारी सहयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि

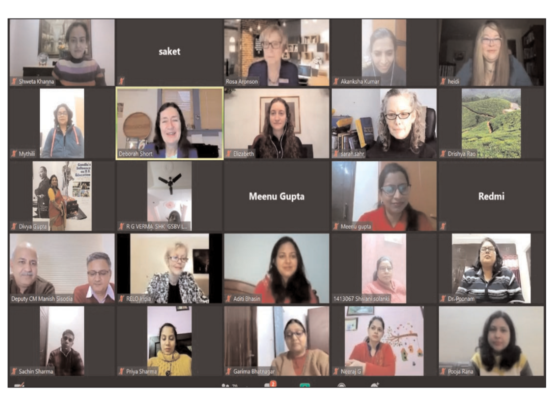

दिल्ली सरकार के शिक्षकों के उत्कृष्ट प्रशिक्षण की दिशा में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के साथ हमारे संबंध काफी महत्वपूर्ण हैं। हमने अब तक लगभग 800 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है और भविष्य में और ऐसे प्रशिक्षण जारी रखेंगे। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि अंग्रेजी अब एक जरूरी भाषा बन चुकी है। हमारे शिक्षक अपने छात्रों को अंग्रेजी पढ़ाना जानते हैं। लेकिन हम शिक्षकों को और अधिक रचनात्मक तरीके से छात्रों को पढ़ाने में मदद करना चाहते हैं। इस पाठ्यक्रम के जरिए हम शिक्षण के नए तरीके सीखने के लिए शिक्षकों को हर तरह की सहायता एवं प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। उल्लेखनीय है कि अन्य भाषाओं के स्टूडेंट्स को अंग्रेजी पढ़ाने के लिए इस खास प्रशिक्षण की अवधि कुल 140 घंटे है। टीचिंग इंगलिश टू स्टूडेंट्स ऑफ अदर लेंगवेजेज नामक यह कोर सर्टिफिकेट प्रोग्राम छह माह में पूरा होगा। अमेरिकी दूतावास के क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय ने 2017 से अब तक दिल्ली सरकार के स्कूलों के लगभग 800 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। उन्होंने मास्टर ट्रेनर भी विकसित किए हैं जो प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों को बेहतर अंग्रेजी शिक्षण का प्रशिक्षण देते हैं।

अदालत ने लगाई दिल्ली पुलिस को फटकार

नई दिल्ली, 9 जनवरी **(एजेंसी)।** दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को जमकर फटकार लगाई। अदालत ने पुलिस की कार्यशैली पर हैरानी जताई, क्योंकि जिस मामले में अदालत सुनवाई कर रही थी। वह नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट एनआइए के तहत दर्ज हुआ था। स्पेशल सेल ने जिस ट्रायल कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल करने का दावा किया है, वह तो इस एक्ट के केस सुनने के लिए अधिकृत ही नहीं है। जिसका फायदा जाली नोट तस्करी के आरोपी को मिला और उसने इस मामले के लिए अधिकृत अदालत से जमानत ले ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिसंबर 2019 में 54 लाख रुपये के नकली नोट और करीब 16 लाख रुपये कीमत के अमेरिकी डालर भी बरामद कर दरियागंज निवासी उनमान अमरोही उर्फ वान अंसारी सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पिछले साल अंसारी ने अधिवक्ता विशाल चोपड़ा के जरिए जमानत अर्जी दायर की। अधिवक्ता विशाल चोपड़ा ने पटियाला हाउस स्थित विशेष अदालत में दायर जमानत अर्जी में कहा कि एक साल गुजर जाने के बाद भी स्पेशल सेल ने आरोप पत्र दाखिल नहीं किया है, जबकि कानून के मुताबिक 90 दिन में आरोपपत्र दाखिल किया जाना था। जमानत अर्जी पर अदालत ने पुलिस से जवाब मांगा गया।

संपादकीय

हल वार्ता से ही

केंद्र सरकार से आठवें दौर की वार्ता से ठीक एक दिन पहले किसानों द्वारा दिल्ली के चारों तरफ ट्रैक्टर रैली निकालना काफी हद तक उनकी ताकत का इजहार कराने में सफल रही है। रैली की खास बात है कि यह बेहद अनुशासित रही। हालांकि सर्वोच्च अदालत ने इस तरह किसानों के इकट्ठा होने पर चिंता जताते हुए यह जरूर कहा कि राजधानी की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे किसान कोविड़-19 से सुरक्षित हैं क्या? अदालत ने किसानों के कोविड़ काल में इस तरह जुटने को तब्लीगी जमात की घटना से भी जोड़ा। अदालत की यह टिप्पणी कहीं-न-कहीं यह दर्शाती है कि शीर्ष अदालत किसानों के बड़े पैमाने पर जमावड़े को लेकर नाखुश है। यह इसलिए भी सही है क्योंकि पहले भी हमने देखा है कि एक ही जगह बिना किसी तैयारी और ऐहतियात के लोगों के जुटने से हालात गंभीर हुए हैं। ऐसे में अगर गणतंत्र दिवस के कुछ दिनों पहले दिल्ली के भीतर और उसकी सीमा पर कोरोना से बचाव के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने से हालात बेहद ड़रावने हो सकते हैं। वैसे राहत की बात है कि अभी तक किसी तरह की कोई अप्रिय खबर आंदोलन स्थलों से नहीं आई है। जहां तक बात सरकार की है तो उन्हें भी अब वार्ता को दिखावटी नहीं बनाना होगा। अगर वह किसानों की सभी मांगों से इत्तेफाक रखती है तो उसे सहर्ष स्वीकार करे वरना बार-बार वार्ता के लिए समय मुकर्रर करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता है। हालांकि अब सरकार और किसान दोनों की नजर 11 जनवरी को सर्वोच्च अदालत में होने वाली सुनवाई पर टिकी है। वैसे अदालत ने अपनी पिछली टिप्पणी में यह जरूर बता दिया था कि अगर वार्ता से कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकलेंगे तो वह अपने तरीके से मामले की सुनवाई करेगी। समय टकराव का नहीं है। इसलिए सरकार और किसानों को लचीला रुख अपनाना ही होगा। अगर 26 जनवरी को अपने तय कार्यक्रम पर किसानों ने फिर से ट्रैक्टर रैली निकालने की हुंकार भरी है तो यह अच्छी बात नहीं है। स्वाभाविक रूप से इस कदम से टकराव बढ़ेगा। ठीक है कि किसानों ने बेहद अनुशासित और इंतजाम के साथ ट्रैक्टर रैली को अंजाम दिया, लेकिन यह हर किसी को समझना होगा कि हल तो बातचीत से ही संभव है। लिहाजा कोई भी पक्ष न तो कर्कश हो और न विषयांतरग तभी बात बनेगी।

असहमति से अराजकता

दुनिया में सबसे पुराना लोकतंत्र होने का दंभ भरते हुए पूरी दुनिया को लोकतांत्रिक नसीहतें देने वाले अमेरिका में बुधवार को जो कुछ घटा, उसने इस देश के लोकतंत्र की साख को धूमिल ही किया। अमेरिकी लोकतंत्र में नाटकीय राजनीति के प्रतीक राष्ट्रपति ट्रंप ने हठधर्मिता दिखाकर अपने समर्थकों को चुनाव परिणामों को लेकर जैसा भ्रमित किया, उसकी परिणति कैपिटल हिल पर हमले के रूप में हुई। वह भी उस वक्त जब अमेरिकी संसद जो बाइडन व कमला हैरिस के राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति चुने जाने पर मोहर लगा रही थी।? भले ही अमेरिकी लोग इस घटनाक्रम को तीसरी दुनिया की अराजक लोकतांत्रिक गतिविधियों की पुनरावृत्ति बता रहे हैं लेकिन यह घटनाक्रम अमेरिकी समाज में गहरे होते विभाजन को दर्शाता है। अब चाहे संसद की कार्यवाही वाले दिन ट्रंप द्वारा अपने समर्थकों की रैली बुलाने और उन्हें उकसाने के आरोप लग रहे हों, लेकिन हकीकत में यह घटनाक्रम गहरे तक विभाजित अमेरिकी समाज की हकीकत को बताता है।?राष्ट्रपति चुनाव से पहले पुलिस की निर्ममता के विरोध में उपजे अश्वेत आंदोलन की हिंसा ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा और बताया कि अमेरिकी लोकतंत्र में सब कुछ ठीकठाक नहीं है। वहीं बुधवार को हुई घटना को श्वेत अस्मिता के प्रतीक बताये जाने वाले ट्रंप की पराजय को न पचा पाने की परिणति ही कहा जा रहा है। अमेरिकी संसद की सुरक्षा में सेना के बजाय पुलिस को लगाया जाना,??फिर पुलिस का सुरक्षा घेरा टूटना तथा हमलावरों के प्रति उदार व्यवहार किये जाने को लेकर अमेरिका में बहस छिड़ी है। कहा जा रहा है कि यदि अश्वेत ऐसा करते तो क्या सुरक्षा बलों की ऐसी ही सीमित प्रतिक्रिया होती? अमेरिकी समाज में पिछले चार साल में जो सामाजिक विभाजन गहराया है, उसकी आक्रामक अभिव्यक्ति को कैपिटल हिल पर हुए हमले के रूप में देखा गया है।

बहरहाल, बुधवार के घटनाक्रम के बावजूद भले ही डोनाल्ड ट्रंप ने अनौपचारिक रूप से अपनी पराजय स्वीकार करते हुए सत्ता हस्तांतरण के लिये सहमति जता दी हो, लेकिन तब तक दुनियाभर में अमेरिकी लोकतंत्र की छीछालेदर हो चुकी थी। जिस लोकतंत्र की दुहाई देकर अमेरिका दुनियाभर के लोकतंत्रों को नसीहतें देता रहा, उसका तिलिस्म अब दरक चुका है। अब अमेरिका में दलीलें दी जा रही हैं कि यहां जो कुछ घटा, वह तीसरी दुनिया के लोकतंत्रों के समानांतर ही है। यानी विकासशील देशों में जहां चुनाव से पहले जीत के दावे किये जाते रहे हैं और हार के बाद सत्ता छोड़ने में ना-नकुर की जाती रही है। जहां संवैधानिक संस्थाओं को नकार कर सत्ता हासिल करने का उपक्रम चलता रहता है। ऐसा करके लोकतंत्र का दंभ भरने वाले अमेरिकी भूल जाते हैं कि पिछले चार साल में लोकतांत्रिक व जीवन मूल्यों की रक्षा के लिये स्थापित संस्थाओं से ट्रंप लगातार ?खिलवाड़ करते रहे। उन्होंने अपने समर्थकों के मन में कल्पित तथ्यों के बूते यह बात बैठाने में सफलता पायी कि चुनाव में धांधली हुई है। जबकि हकीकत में इस बात का कोई प्रमाण अब तक वे दे नहीं पाये हैं। सही मायनो में अमेरिकी समाज में विभाजन का सच पूरी दुनिया के सामने अनावृत्त हुआ है। अब भले ही भारी-भरकम शब्दों के जरिये उसे छिपाने का असफल प्रयास किया जा रहा हो। निश्चित रूप से सत्ता हस्तांतरण से पहले हुआ उपद्रव अमेरिकी लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला है जो दुनिया में सुनी जाने वाली अमेरिकी आवाज को कमजोर बनायेगा। सवाल अमेरिकी समाज पर भी उठेग [illegible] प्रॉपर्टी के कारोबारी अरबपति को अमेरिकी लोकतंत्र [illegible] अस्मिता को बरकरार रखने के लिये सौंपी। निस्संदेह मंदी और कोरोना संकट की विभीषिका से जूझ रहे अमेरिका के आत्मबल को इस घटनाक्रम से गहरी ठेस पहुंचेगी, जिससे उबरने में उसे लंबा वक्त लगेगा।

प्रवीण कुमार सिंह

हमले के दोषी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व कांग्रेस में उनके साथियों ने बुधवार के हिंसक हमले के लिए समर्थकों को उकसाया। वह भी उसी सरकार के खिलाफ, जिसकी वे नुमाइंदगी करते हैं, और उस देश के विरुद्ध, जिससे मोहब्बत का उनका दावा है। ऐसी बगावतों को खड़े होने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ट्रंप के राजद्रोही बयानों ने हजारों की तादाद में लोगों को यूएस कैपिटल बिल्डिंग पर धावा बोलने और हाउस व सीनेट में तोड़फोड़ के लिए प्रेरित किया, जबकि उस वक्त देश के जन-प्रतिनिधि अपने सांविधानिक दायित्वों के निर्वाह के लिए इकट्ठा हुए थे। उन्हें इलेक्टोरल वोटों की गिनती कर बतौर राष्ट्रपति जो बाइडन के चयन पर अपनी मुहर लगानी थी। ट्रंप समर्थकों ने अमेरिकी सरकार के आसन पर हमला किया और कांग्रेस में चल रही बहस को रद्द करने के लिए बाध्य किया। ट्रंप के समर्थन और 2020 के वैधानिक चुनाव परिणाम के खिलाफ नारे लगाते हुए बलवाइयों ने न सिर्फ सदन की खिड़कियों, दरवाजों को नुकसान पहुंचाया, बल्कि वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों से भी वे भिड़ गए। एक महिला की हत्या कर दी गई। देश के नेता सुरक्षा के लिए परेशान दिखे। कैपिटल बिल्डिंग व वाशिंगटन के आस-पास कई जगहों से विस्फोटक बरामद किए गए हैं। ट्रंप समर्थक प्रदर्शनों के कारण पूरे देश में विधायी सदनों को बंद करना पड़ा। नवंबर में वोटरों के जनादेश को ट्रंप लगातार नकारते रहे, उसकी निंदा करते रहे। उन्होंने अपने समर्थकों का आह्वान किया था कि वे बुधवार को वाशिंगटन में इकट्ठा हों और कैपिटल बिल्डिंग की तरफ मार्च करें। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि जनादेश चुरा लिया गया है। इसलिए आप संघर्ष करें। ट्रंप ने उनसे यह भी कहा था कि वह उनके साथ मार्च में शामिल हो सकते हैं, लेकिन जब उनके समर्थकों ने कैपिटल बिल्डिंग पर हमला बोला, तब वह घंटों खामोश रहे और उस संविधान की रक्षा के लिए भी समर्थकों को नहीं रोका, जिसकी रक्षा की उन्होंने शपथ ले रखी है। राष्ट्रपति ट्रंप की जवाबदेही तय की जानी चाहिए- महाभियोग की प्रकिया के जरिए या फिर आपराधिक मुकदमा कायम करके।

लोकतंत्र का शर्मनाक ‘ट्रम्प कार्ड’

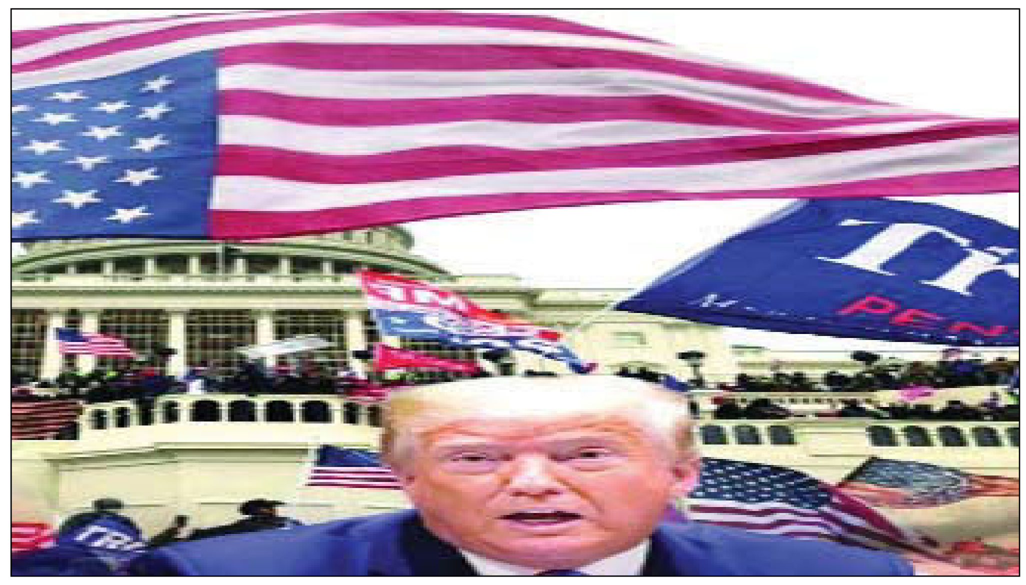

> “ हकीकत यही है कि अमेरिका आज कट्टरपंथ और उदारपंथ के दोराहे पर खड़ा है। विचारधारा के स्तर पर दोनों में से किसी एक मत का समर्थन कोई बुरी बात नहीं है, बस इतना जरूरी है कि दोनों विचारधाराओं को अपनी स्वाभाविक गति से फलने-फूलने की आजादी मिलती रहे। इसे बहुलतावाद कहा जाता है जिसे भारत ने अपनाया है। इसी वजह से लोकतंत्र के लिहाज से भारत कई मायनों में अमेरिका के आगे खड़ा दिखता है ”

भारत में राष्ट्रपिता का जो दरजा महात्मा गांधी को दिया जाता है, अमेरिका में उसके सात हिस्सेदार है, जो ‘सेवन फाउंडिंग फादर्स’ के नाम से मशहूर हैं।

इन शख्सियतों को यह सम्मान इस वजह से मिला है कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र की स्वतंत्रता से लेकर उसके संविधान को गढ़ने में इनकी कोई-न-कोई अहम भूमिका रही है। अमेरिका के इन सात संस्थापकों में से एक नाम बेंजामिन फ्रैंकलिन का भी है। करीब 240 साल पहले की गई एक टिप्पणी की वजह से यहां उनका जिक्र प्रासंगिक हो गया है। उस वक्त जब बेंजामिन फ्रैंकलिन से अमेरिका की पहचान को एक वाक्य में परिभाषित करने को कहा गया, तो उन्होंने कहा था कि यह एक गणतंत्र है, अगर आप इसे बनाए रखें तो। बेंजामिन फ्रैंकलिन से यह सवाल पूछने वाले को शायद अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि दो सदियों बाद इस जवाब में छिपी जवाबदेही को लेकर ही अमेरिका को अपनी महान परंपरा को चुनौती देने वाले सबसे बड़े सवाल से जूझना पड़ेगा। विडम्बना देखिए कि अमेरिका के सामने यह हालात ऐसे शख्स की वजह से बने हैं, जिसे महज चार साल पहले अमेरिकी जनता ने बड़े भरोसे से अपने देश की कमान सौंपी थी। 6 जनवरी को वो भरोसा ही नहीं, लोकतंत्र की दुनिया में अमेरिका की साख भी राख हो गई।

इस तारीख को देश के 46वें राष्ट्रपति के तौर पर जो बाइडेन के नाम पर मुहर लगनी थी। जगह थी वॉशिंगटन डीसी का कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद, लेकिन उस दिन अमेरिका में एक नहीं, दो मुहर लगी। एक नये राष्ट्रपति जो बाइडेन के नाम पर और दूसरी अमेरिका की उस खोखली पहचान पर जिसके दम पर वो पूरी दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाता रहता है। निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हार से बौखलाए उनके हथियारबंद समर्थकों ने कैपिटल हिल पर ऐसा तांडव मचाया कि पूरी दुनिया सिहर गई। अमेरिका के अंदर पैदा हो रहे हालात को लेकर हमने पिछले लेख में जो आशंका जाहिर की थी, दुनिया ने वैसा ही तमाशा देखा। ट्रम्प समर्थकों ने सुरक्षा के हर इंतजाम को ध्वस्त करते हुए इस ऐतिहासिक इमारत में जमकर तोड़फोड़ और आगजनी की। हुड़दंगियों ने तिमंजिले कैपिटल हिल की जमीन से लेकर छत तक अपना कब्जा जमा लिया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी संसद के अंदर भी पहुंच गए। कुछ ने स्पीकर नैन्सी पेलोसी की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया, तो बाकियों ने दूसरे सांसदों के कमरों में घुसकर कोहराम मचाया। जिस अमेरिकी संसद में बिना इजाजत के परिंदा भी पर नहीं मार सकता, हुड़दंगियों ने राष्ट्रीय सम्मान के उसी प्रतीक को चार घंटे तक बंधक बनाए रखा। समय रहते अगर सांसदों और सीनेट सदस्यों को बाहर नहीं निकाला गया होता, तो अमेरिका की और फजीहत हुई होती।

जब दुनिया भर से इस घटना पर तीखी प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हुआ तो ट्रम्प भी सामने आए और हिंसा पर उतारू भीड़ के विशेष सहयोग की सराहना करते हुए उन्होंने जिस बेशर्म अंदाज में शांति की अपील की, उसने इस घटनाक्रम के असली खलनायक और उसके खतरनाक मंसूबे से पर्दा उठा दिया। दरअसल, चुनाव के मैदान और अदालत के गलियारों से खारिज किए गए ट्रम्प उस योजना पर काम कर रहे थे, जो आज तक अमेरिका में कभी नहीं हुआ। ट्रम्प लोकतंत्र में भीड़ तंत्र के दम पर तख्तापलट करना चाहते थे। 6 जनवरी को अमेरिकी कांग्रेस चुनाव नतीजों पर आखिरी मुहर लगाने जा रही थी, यानी ट्रम्प को जो कुछ करना था, उससे पहले ही करना था। ट्रम्प के बुलावे पर रात से ही उनके समर्थकों का जुटना शुरू हो गया, जो सुबह होने तक हजारों की संख्या में पहुंच गया। इस दौरान ट्रम्प ने कई उकसाने वाले भाषण दिए, जिससे उत्तेजित भीड़ ने बेकाबू होकर कैपिटल हिल पर धावा बोल दिया।

इसके बाद हुई हिंसा में चार लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। एहतियात के लिए वॉशिंगटन को नेशनल गार्डस के हवाले करते हुए वहां 15 दिन की इमरजेंसी लगा दी गई है। यानी 20 जनवरी को बाइडेन का औपचारिक शपथ ग्रहण अब संगीनों के साए में होगा। अमेरिकी के चेहरे पर पुती इस कालिख को बाइडेन ने राजद्रोह बताते हुए इसे घरेलू आतंकियों की कार्रवाई कहा है। देश और दुनिया के बढ़ते दबाव के बीच ट्रम्प के अपनों ने भी उनसे किनारा करना शुरू कर दिया है। जिस सोशल मीडिया के ट्रम्प कभी चहेते हुआ करते थे, उसी को उन्हें ब्लॉक करना पड़ा है। ट्रम्प प्रशासन के 11 बड़े मंत्रियों और अधिकारियों ने भी इस्तीफा दे दिया है। फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प की चीफ ऑफ स्टाफ और व्हाइट हाउस की डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी और सोशल सेक्रेटरी ने भी अपने दफ्तर छोड़ दिए हैं, लेकिन अब शायद बहुत देर हो चुकी है। इस्तीफा देने वालों में ज्यादातर नाम वहीं हैं, जो पिछले चार वर्षो से सत्ता की मलाई खाने के लिए ट्रम्प के हर ‘कारनामे’ पर मौन रखकर उनका परोक्ष समर्थन ही कर रहे थे, लेकिन अब यह बीती बात हो चुकी है। अमेरिका अब किस दिशा में आगे बढ़ेगा? ट्रम्प का राष्ट्रपति पद पर बने रहना क्या देश के लिए खतरनाक हो सकता है? नया प्रशासन भी इस गलती के लिए ट्रम्प को माफ करने के मूड में नहीं दिख रहा है। डेमोक्रेट ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

सबसे पहले उपराष्ट्रपति माइक पेंस पर ट्रम्प को 25वें संशोधन के जरिए बर्खास्त करने का दबाव डाला जाएगा। अगर ऐसा होता है तो 1967 में आए इस संशोधन का किसी अमेरिकी राष्ट्रपति को उसके तय कार्यकाल से पहले हटाने का यह पहला मामला होगा, लेकिन यदि पेंस इसके लिए राजी नहीं होते हैं, तो डेमोक्रेट ट्रंप के खिलाफ महाभियोग ला सकते हैं। जॉर्जिया में जीत के बाद डेमोक्रैट वैसे भी अब कांग्रेस के दोनों सदनों में मजबूत हो गए हैं। एक संभावना और बनती दिख रही है। ट्रम्प ने हिंसा के बाद सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण की बात कही है, लेकिन वो खुद बाइडेन के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं होंगे। यह भी संभव है कि ट्रम्प राष्ट्रपति पद की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए 20 जनवरी से पहले देश छोड़ दें, लेकिन क्या केवल इतने भर से अमेरिका में सब कुछ सामान्य हो जाएगा? अमेरिका का इतिहास बताता है कि 1920 और 1930 के दशक हिंसा और अतिवाद से भरे थे। ट्रम्प के चार वर्ष के शासनकाल में वही अराजकता, कुछ कम मात्रा में ही सही, पर अमेरिकी जीवन का हिस्सा बनती गई। ट्रम्प के शासनकाल के आखिरी एक वर्ष में ध्रुवीकरण और बंटवारे के तड़के ने समाज की खाई को और चौड़ा कर दिया। अेत जॉर्ज फ्लॉयड की मौत से जुड़े ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन और भीड़ की हिंसा ने अमेरिका में ही व्हाइट हाउस का रु तबा घटा दिया। एक मौका ऐसा भी आया था जब ट्रम्प विरोधी प्रदर्शन के लिए व्हाइट हाउस ही पहुंच गए, जिसके बाद ट्रम्प को अपनी जान बचाने के लिए बंकर में छिपना पड़ा था। साल 2016 में भी चुनाव नतीजे आने के बाद ट्रम्प के विरोध में उसी तरह प्रदर्शन हुए थे, जैसे आज बाइडेन के विरोध में हो रहे हैं। हकीकत यही है कि अमेरिका आज कट्टरपंथ और उदारपंथ के दोराहे पर खड़ा है। विचारधारा के स्तर पर दोनों में से किसी एक मत का समर्थन कोई बुरी बात नहीं है, बस इतना जरूरी है कि दोनों विचारधाराओं को अपनी स्वाभाविक गति से फलने-फूलने की आजादी मिलती रहे। इसे बहुलतावाद कहा जाता है, जिसे भारत ने अपनाया है। इसी वजह से लोकतंत्र के लिहाज से भारत कई मायनों में अमेरिका के आगे खड़ा दिखता है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए अमेरिका को भी मतभेदों को स्वीकारने की अपनी पुरानी परंपरा की ओर लौटना होगा, जिसे आज भुला दिया गया है। असहमति को फूट और अराजकता में बदलने से रोकने का इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं है। अमेरिकी अवाम को बेंजामिन फ्रैंकलिन के कहे को याद रखना होगा कि उनके देश का गणतंत्र चाहे कितना भी महान हो, वो तभी तक सुरक्षित है, जब तक वो खुद इसे बचाए रखना चाहेगी।

वैश्विकी

विभाजन का संकट

अमेरिका में शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के बाद भी यह जाहिर है कि इस देश को सहज और सामान्य होने में लंबा समय लगेगा।

कोरोना वायरस महामारी की नई लहर देश के लिए पहले से अधिक घातक सिद्ध हो रही है। वहीं राजनीतिक और सामाजिक विभाजन भी पराकाष्ठा पर पहुंच गया है। अमेरिका में 1861 से 1865 के दौरान उत्तर और दक्षिणी राज्यों के बीच हुए गृहयुद्ध के बाद बहुत कम मौके आए हैं जब अमेरिका में हर स्तर पर विभाजन के ऐसे हालात बने हैं। निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव नतीजों को निरस्त करने के लिए चलाई गई अपनी जबरदस्त लेकिन असफल मुहिम के बाद हार कबूल कर ली है। अपने नवीनतम संबोधन में उन्होंने विभाजन खत्म करने और घाव भरने की नसीहत दी है। अमेरिकी जनता के बीच एकजुटता और मेलमिलाप कायम करने की इस नसीहत में उनका दोहरा चरित्र साफ दिखाई देता है। दूसरी ओर डेमोक्रेटिक पार्टी का रवैया भी संयमित और राजनीतिक बुद्धिमता का प्रदर्शन नहीं करता। वह डोनाल्ड ट्रम्प और उनके समर्थकों को अपमानित और दंडित करने पर आमादा नजर आ रहा है।

डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता राजनीतिक अल्पदृष्टि रखते हुए ट्रम्प के समर्थकों को अपराधी और असामाजिक तत्व साबित करने पर तुले हुए हैं। वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर रहे हैं कि चुनाव में ट्रम्प को 7 करोड़ से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला है। उनकी तुलना में जो बाइडेन को कुछ ही अधिक मत मिले हैं। राजनीतिक बुद्धिमता और दूरदृष्टि का तकाजा है कि बदले की भावना और दुष्प्रचार की बजाय सबको साथ लेकर चलने की कोशिश की जाए। कम-से-कम डेमोक्रेटिक पार्टी को चाहिए कि वह डोनाल्ड ट्रम्प को एक राजनीतिक अपवाद माने तथा रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों को राष्ट्रीय जीवन का वैसा हिस्सा माने जैसा कि वह अपने समर्थकों को मानती है।

जो बाइडेन के पद ग्रहण समारोह के दिन (20 जनवरी) को ट्रम्प ने शामिल न होने का ऐलान किया है। इस ऐलान पर जो बाइडेन की प्रतिक्रया गरिमापूर्ण नहीं रही। बाइडेन ने कहा कि वह कम-से-कम इस बात पर ट्रम्प से सहमत हैं। अमेरिका में इस समय डोनाल्ड ट्रम्प और उनके समर्थकों पर सोशल मीडिया के प्रबंधकों का हमला जारी है। ट्विटर, फेसबुक और यू टयूब पर अकाऊंट बंद किए जा रहे हैं तथा सामग्री का ब्लैक आऊट हो रहा है। आश्चर्य की बात है कि इस पर अभिव्यक्ति की आजादी के पैरोकार चुप ही नहीं हैं बल्कि इसकी हिमायत कर रहे हैं।

शीतयुद्ध के दौरान अमेरिका ने ‘मैकार्थीवाद’ का दौर देखा था। मैकार्थी सीनेटर था और समाज के प्रगतिशील तबके के विरुद्ध उन्होंने मुहिम चलाई थी। इस मुहिम के तहत बुद्धिजीवियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को कम्युनिस्ट करार देकर अपमानित और तिरस्कृत किया जाता था। उनकी आवाज बंद करने की हर संभव कोशिश की जाती थी। विडम्बना यह है कि आज दक्षिणपंथी और अनुदारवादी तबके को इस राजनीतिक छुआछूत और वैमनस्य का शिकार होना पड़ रहा है।

अमेरिका में जारी घटनाक्रम का एक जातीय और क्षेत्रीय पहलू भी है। डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थकों का बड़ा हिस्सा श्वेत और छोटे शहरों तथा गांवों में रहने वाले लोग हैं। दूसरी ओर डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों में बड़ी हिस्सेदारी अश्वेतों और अन्य प्रजाति के लोगों की है। अमेरिका में लंबे समय से यह बहस जारी है कि आखिर देश की वास्तविक पहचान क्या है? रिपब्लिकन पार्टी और देश का एक प्रभावशाली वर्ग श्वेत और प्रोटेस्टेंट समुदाय को देश की प्राथमिक पहचान करार देता है। देश की इस पहचान और इसके सभ्यागत मूल्यों की रक्षा की वह वकालत करता है। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक पार्टी बहुसांस्कृतिक विविधता और मिली-जुली संस्कृति में विश्वास रखती है। अमेरिका के हाल के घटनाक्रम को कौन जीता और कौन हारा, के तराजू पर भी तौला जा सकता है।

आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि अमेरिका किस दिशा में जा रहा है। बहुत कुछ डोनाल्ड ट्रम्प के अगले कदम पर निर्भर होगा। यदि वह अपने एजेंडे पर कायम रहते हुए देश में राजनीतिक सक्रियता जारी रखते हैं तो राजनीतिक रस्साकसी लंबे समय तक जारी रह सकती है। वर्ष 2024 के अगले राष्ट्रपति चुनाव की मुहिम भी अभी से शुरू हो सकती है।

संगीत

शाम-ए-अवध में शास्त्रीय संगीत की तलाश

हर शहर का अपना मिजाज होता है, इसलिए किसी की तुलना का कोई औचित्य तो नहीं, लेकिन बनारस से लखनऊ आने के बाद पिछले डेढ़ दशक से मुझे जो कमी सबसे अधिक खलने वाली लगी वह थी शास्त्रीय संगीत की महफिलों की है।

हालांकि ये बात तो खुद प्रसिद्ध संतूर वादक शिवकुमार शर्मा ने बनारस के प्रसिद्ध संकटमोचन संगीत समारोह में एक बार कही थी कि हम देश भर के संगीत समारोहों में जाते हैं, लेकिन बनारस में जिस तरह शास्त्रीय संगीत के समारोह होते हैं और संगीत रसिक कई-कई रातों तक जागकर इनका आनंद लेते हैं, वैसा लगाव मैंने दूसरे नगरों में नहीं देखा। उन्होंने कहा था कि बनारस से बहुत करीब इलाहाबाद, कानपुर और लखनऊ जैसे नगर हैं, लेकिन वहां भी शास्त्रीय संगीत के प्रति ऐसा अनुराग नहीं दिखाई देता है।

लखनऊ संगीत और खासकर शास्त्रीय संगीत के काफी करीब रहा है। लखनऊ पर प्रसिद्ध पुस्तक ‘गुजिश्ता लखनऊ’ में एक किस्से का वर्णन मिलता है। बताते हैं कि लखनऊ में हैदरी खान नामक कलाकार थे। वह बादशाह गाजीउद्दीन हैदर का जमाना था। हैदरी गोलागंज में रहते थे और बहुत मशहूर थे। हैदर को यह पीड़ा थी कि इतना बड़ा संगीताचार्य मेरे राज में है, लेकिन कभी मुझे सुनाने नहीं आया। हैदरी एक रोज टहलने निकले तो बादशाह को लोगों ने खबर पहुंचाई और हैदरी को लाकर बादशाह के सामने खड़ा कर दिया। गाजीउद्दीन ने हैदरी से कहा कि कभी मुझे अपना गाना नहीं सुनाते तो हैदरी बोले कि सुना तो सकता हूं,, लेकिन मुझे यह नहीं मालूम कि आपका मकान कहां है। बादशाह हंसे और बोले कि चलो मैं तुम्हें अपना मकान दिखाता हूं। रास्ते में हैदरी ने यह भी इच्छा जताई कि पहुंचकर पूड़ी भी खाएंगे। गाना सुनाया तो बादशाह के हुक्के पर भी नजर पड़ी। गाना सुनकर बादशाह खुश हुए तो हैदरी को पूड़ी खिलाई गई और हुक्का पिलाया गया। हैदरी ने खुद भी पूड़ी खाई और बीबी के लिए भी भिजवा दी, लेकिन जब गाजीउद्दीन ने हैदरी से कहा कि तुमने मुझे खुश तो बहुत किया, लेकिन अब अपने गाने से मुझे रुलाकर दिखाओ। नहीं रु लाया तो याद रखना गोमती में डुबवा दूंगा। हैदरी की अक्ल ठिकाने आ गई, लेकिन गाने में जोर था और उनकी किस्मत भी कि गाना सुनकर बादशाह रोने लगे। इससे वे बहुत खुश हुए। बोले-हैदरी जो मांगना है मांग लो, दूंगा। हैदरी ने पूछा-दीजिएगा ना और तीन बार हामी भी भरवाई। जब बादशाह सहमत हो गए तो हैदरी बोले कि आप कभी मुझे मत बुलाइएगा और न ही गाना सुनिएगा। बादशाह बोले क्यों? हैदरी ने कहा कि क्योंकि अगर मैं मर गया तो फिर मुझ-सा हैदरी खान दूसरा पैदा नहीं होगा, आपका क्या है आप मर गए तो दूसरा तुरंत बादशाह बन जाएगा।

लखनऊ काफी पहले से संगीताचायरे का गढ़ रहा है। संगीताचार्य अपने आगे बादशाह को भी कुछ नहीं समझते थे। कथक के विकास में लखनऊ का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इलाहाबाद की हंडिया तहसील के पं. ईश्वरी प्रसाद के वंशज अवध के नवाबों के दरबार में पहुंचे। शुजाउद्दौला और उनके बाद आसिफउद्दौला एवं फिर नवाब सआदत अली खान के दरबार में इस नृत्य का काफी विकास हुआ। ईश्वरी प्रसाद के पौत्र प्रकाश, दयाल और हरिभान ने अवध के दरबार में इस नृत्य का प्रचार किया। प्रकाश जी के बेटे ठाकुर प्रसाद से वाजिद अली शाह ने कथक की शिक्षा ली थी। ठाकुर प्रसाद के भाई दुर्गाप्रसाद भी कुशल नर्तक थे, जिनके बेटे बिंदादीन महाराज और कालका महाराज और कालका महाराज के बेटे अच्छन महाराज, लच्छू महाराज और शंभू महाराज हुए। अच्छन महाराज के बेटे बिरजू महाराज और शंभू महाराज के पुत्र राममोहन और कृष्णमोहन भी कथक के प्रमुख नर्तक हैं। इसी प्रकार तबले का भी लखनऊ घराना है और विद्वानों का यह भी मानना है कि बनारस और फरूखाबाद जैसे घराने लखनऊ घराने के कलाकारों के प्रयासों से ही शुरू हो सके। तबले के लखनऊ घराने के प्रचलन का श्रेय मोदू खान और बख्शू खान को जाता है। इतना ही नहीं संगीताचार्य विष्णु नारायण भातखण्डे ने जब विद्यालय स्थापित करने की सोची तो उन्होंने लखनऊ को चुना। डीम्ड विश्वविद्यालय का दरजा प्राप्त भातखंडे संगीत संस्थान शताब्दी के करीब है।

रातंजनकर, आबिद हुसैन, रहीमुद्दीन डागर, बेगम अख्तर, अहमद जान थिरकवा, वी.जी.जोग, विद्याधर व्यास, श्रुति सडोलीकर जैसे कलाकार यहां गुरु रहे हैं और विद्यार्थियों में तलत महमूद, अनूप जलोटा, दिलराज कौर, मालिनी अवस्थी जैसे नाम शामिल हैं। एक ऐसे नगर में महीनों बीत जाते हैं, जब शास्त्रीय संगीत की कोई महफिल नहीं सजती है। कोरोना संकट में तो वैसे ही कार्यक्रम बंद हो गए थे लेकिन जब होते थे तब भी शास्त्रीय संगीत के समारोहों की संख्या बहुत कम होती थी। हां, कथक के कार्यक्रम यहां जरूर हो जाते हैं, लेकिन शास्त्रीय संगीत के दूसरों कार्यक्रमों के लिए संगीत रसिक तरसते रह जाते हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

ईटीएफ और इंडेक्स पर निवेशकों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली। जोरदार रिटर्न मिलने से निवेशकों का आकर्षण ईटीएफ और इंडेक्स के प्रति बढ़ा है। नवंबर महीने में इंडेक्स में 2.23 खरब रुपये का निवेश हुआ। जब भी ईटीएफ या इंडेक्स फंड में निवेश करें तो उससे पहले उसका इतिहास देंखे। पिछले कुछ सालों में मिले रिटर्न की तुलना करें। इसके साथ यह भी देंखे कि इसका एक्सपेंस रेश्यो कम हो।जानें इसमें छोटे निवेशक कैसे निवेश कर सकते हैं?

इंडेक्स में निवेश का क्या मतलब है?

इंडेक्स निवेश का मतलब है जब आप अपना निवेश मार्केट इंडेक्स जैसे सेंसेक्स और निफ्टी में लगाते हैं। इसमें हम किसी एक शेयर या म्यूचुअल फंड के जरिये निवेश नहीं करते हैं। यह आपको पूरे बाजार में मिले रिटर्न को देता है, क्योंकि सूचकांक शेयर बाजार का प्रतिनिधित्व करता है। यह शेयर बाजार में निवेश के जोखिम को भी कम करता है क्योंकि इंडेक्स किसी एक कंपनी या कंपनियों के समूह की तुलना में कम अस्थिर है।

बड़ी कंपनियों के शेयर में क्यों न निवेश किया जाए?

शेयर बाजार में अच्छी कंपनी का शेयर चयन करना बहुत ही मुश्किल है। जब आप किसी कंपनी का शेयर में निवेश करते हैं और वह नीचे चला जाता है तो आप ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस साल बड़ी कंपनियों में डॉ. रेड्डी लैब्स ने जोरदार रिटर्न किया है। कंपनी के शेयर ने एक साल में निवेशकों को 82.67त्न का रिटर्न दिया है। वहीं, इंडसइंड बैंक के शेयर ने निवेशकों को -41.28त्न का रिटर्न दिया है। यानी शेयर का चयन करना इतना भी आसान नहीं है। कई बार पूरी रिसर्च टीम भी इसमें फेल हो जाती है।

क्या इंडेक्स में निवेश करना सही फैसला?

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जब कंपनी बड़ी हो जाती है तब ही बेंचमार्क इंडेक्स बनाती है। यानी, कंपनी की बेहतरी साल निवेशकों से पीछे छूट जाता है। इसके चलते कंपनी का मूल्यांकन काफी बढ़ जाता है।

छोटे निवेशक इंडेक्स में कैसे निवेश कर सकता है?

आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) या इंडेक्स फंड के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। इसके जरिये आप कम चार्ज देकर निवेश कर सकते हैं। ईटीएफ यूनिट्स को सीधे बाजार से खरीदा जा सकता है। वहीं, इंडेक्स फंड में निवेश किसी म्यूचुअल फंड के जरिये किया जा सकता है। ईटीएफ और इंडेक्स फंड निफ्टी, सेंसेक्स, निफ्टी नेक्स्ट 50 और यहां तक कि निफ्टी 500 सहित सूचकांकों की मेजबानी करते हैं।

एसएंडपी और बीएसई100 द्वारा पीटे गए लार्ज कैप फंड (फीसदी में)

एक साल में: 48.39
तीन साल में: 83.08
पांच साल में:80.43
10 साल में: 67.67
सेंसेक्स के शेयरों का बीते एक साल हाल
शानदार प्रदर्शन करने वाले: 82.67फीसदी
सबसे शानदार प्रदर्शन करने वाले:41.28फीसदी
सेंसेक्स का रिटर्न:17फीसदी
निफ्टी का रिटर्न
एक साल में: 16.14फीसदी
पांच साल में: 13.4फीसदी

अदाणी एग्री लॉजिस्टिक्सः चल रहे दुष्प्रचार पर बोले उपाध्यक्ष पुनीत मेहंदीरत्ता

लखनऊ। अदाणी एग्री लॉजिस्टिक्स के खिलाफ़ चल रहे दुष्प्रचार पर पहली बार खुलकर अपनी बात रखते हुए उपाध्यक्ष पुनीत मेहंदीरत्ता ने कहा यह आरोप लगाया जा रहा है कि हमे इस बात की पहले से ही जानकारी थी कि सरकार कृषि बिल लाने वाली है।

इसलिए आपने पंजाब के मोगा ज़िले में पहले से ही 'सायलो' का निर्माण कर लिया था, जिसमें अनाज का अत्याधुनिक और वैज्ञानिक तरीके से भंडारण किया जाता है । हमने पिछले दिनों में बार-बार जनता के सामने सच्चाई रखी हैं कि अदाणी एग्री लॉजिस्टिक्स किसानों से कोई अनाज नहीं खरीदती है। भारत जैसे विकासशील देशों में स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। जहाँ एक तरफ़ हमारे देश में गरीबी और भुखमरी की समस्या है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक भंडारण सुविधाएँ न होने के कारण बहुत सारा अनाज खराब हो जाता है और खाने योग्य नहीं रहता।

फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामलाः इनकम टैक्स विभाग का फ्लिपकार्ट और स्विगी के दफ्तर में सर्वे

मुंबई। इनकम टैक्स विभाग ने फ्लिपकार्ट की ग्रुप कंपनी इंस्टाकार्ट और स्विगी पर सर्वे शुरू किया है। यह सर्वे बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामले में हो रहा है। फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स कंपनी है। स्विगी फूड डिलिवरी कंपनी है।

डीजीजीआई ने इनकम टैक्स को दी थी जानकारी

सूत्रों के मुताबिक वस्तु एवं सेवा कर इंटेलीजेंस के महानिदेशक द्वारा दिए गए इनपुट के आधार पर यह सर्वे हो रहा है। इस समय पूरे देश में डीजीजीआई ने इस तरह का सर्वे चला रखा है। ऐसी खबरें हैं कि सिस्टम का गलत तरीके से उपयोग हो रहा है। कंपनियां अपने वितरकों को इनपुट टैक्स

क्रेडिट के मामले में गलत तरीके से उपयोग कर रही हैं। डीजीजीआई ने इस तरह की शिकायतों के बाद इनकम टैक्स विभाग को कहा है कि वह जांच करे।

फ्लिपकार्ट ने माना, सर्वे हो रहा है

फ्लिपकार्ट ने इस सर्वे के बारे में कहा कि हां यह सही है। इनकम टैक्स विभाग सर्वे कर रहा है। हम इनकम टैक्स को पूरी जानकारी दे रहे हैं। उन्हें पूरा सहयोग कर रहे हैं। हमारा मानना है कि हम सभी लागू टैक्स और कानूनी जरूरतों के मुताबिक पूरा कंप्लायंस करते हैं। फ्लिपकार्ट करीबन 2 लाख लोगों के साथ कार्यरत है। यह तीन लाख छोटे उद्योगों के साथ जुड़ा है।

सिस्टम का हो रहा है दुरुपयोग

पिछले हफ्ते ही वित्त सचिव अजय भूषण पांडे ने कहा था कि सिस्टम के दुरुपयोग को कम करने के लिए सरकार ने उन लोगों को चेक करने की शुरुआत की है जो ज्यादा इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा कर रहे हैं। हम अलग-अलग एजेंसियों से आंकड़ों को लेकर उसे सेंट्रलाइज्ड कर रहे हैं। यानी एक जगह कर रहे हैं। इसके बाद इस डाटा का हम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से इसका विश्लेषण करते हैं।

इनकम टैक्स में कम दिखाते हैं आंकड़े: उन्होंने कहा कि यह देखा गया है कि कुछ लोग इनकम टैक्स विभाग के पास महज कुछ लाख रुपए ही दिखाते हैं। पर जीएसटी में वे करोड़ों रुपए का टर्नओवर दिखा रहे हैं। ऐसा भी देखा गया है कि लोग करोड़ों का सामान आयात (इंपोर्ट) कर रहे हैं पर वह जीएसटी या इनकम टैक्स रिटर्न में नहीं दिख रहा है। हम इसी तरह के लोगों पर कार्रवाई कर रहे हैं।

10 फंड हाउस 1000 करोड़ से कमः एसबीआई म्यूचुअल फंड का एयूएम 5 लाख करोड़, कोटक की ग्रोथ सबसे तेज

नई दिल्ली। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने पहली बार 5 लाख करोड़ रुपए के असेट अंडर मैनेजमेंट को पार किया है। यह देश का सबसे बड़ा फंड हाउस है। पिछले कुछ समय से यह लगातार 4 लाख करोड़ रुपए से ऊपर का एयूएम हासिल कर रहा है। देश में बैंकिंग सेक्टर में एसबीआई सालों से सबसे बड़ा बैंक है। उसी की यह म्यूचुअल फंड कंपनी है। हालांकि दिसंबर में कोटक म्यूचुअल फंड की ग्रोथ टॉप 6 में सबसे ज्यादा रही है।

दिसंबर तिमाही में 29.71 लाख करोड़ एयूएम

दिसंबर की तिमाही में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का रू29.71 लाख करोड़ रुपए रहा है। वैसे एसबीआई का एयूएम का आंकड़ा जनवरी में 5 लाख करोड़ रुपए हुआ है। हालांकि इस फंड हाउस की तुलना अन्य फंड हाउस से इसलिए नहीं की जा सकती क्योंकि इसके पास एपीएस का फंड एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यही कारण है कि हाल के सालों में इसके एयूएम में तेजी से बढ़त हुई है। फंड इंडस्ट्री में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड दूसरे नंबर पर है। इसका एयूएम 3.89 लाख करोड़ रुपए है।

कोटक की ग्रोथ 12.9 पर्सेंट

आंकड़े बताते हैं कि कोटक म्यूचुअल फंड के एयूएम की ग्रोथ दिसंबर में 12.9त्न की रही है। जबकि एसबीआई की 8.3त्न, एचडीएफसी की 3.7फीसदी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल की 5.5फीसदी की एयूएम में ग्रोथ रही है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का एयूएम 3.79 लाख करोड़ रुपए है। जबकि बिरला म्यूचुअल फंड का एयूएम 2.55 लाख करोड़ रुपए है। कोटक म्यूचुअल फंड का एयूएम 2.16 लाख

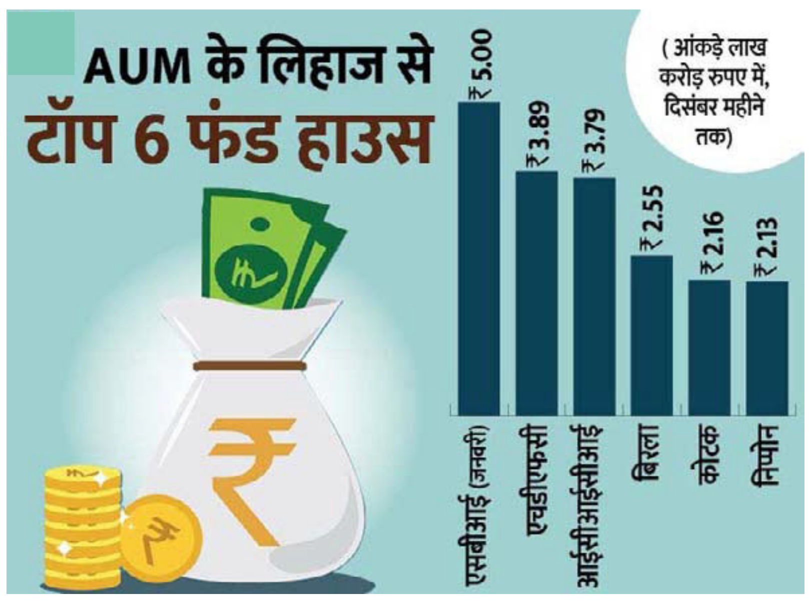

करोड़ रुपए है। निप्पोन इंडिया का एयूएम 2.13 लाख करोड रुपए है।

नवंबर में कोटक ने निप्पोन को पीछे छोड़ा था

नवंबर महीने में ही निप्पोन को कोटक ने पांचवें नंबर से हटाकर छठें नंबर पर कर दिया था। जबकि इन्वेस्को ने सुंदरम को पीछे छोड़ दिया है। इन्वेस्को अब 16 वें नंबर का फंड हाउस है। जबकि सुंदरम 17 वें पर है। देश की फंड इंडस्ट्री में वैसे कुल 44 फंड हाउस हैं। इसमें से 10 फंड हाउस ऐसे हैं जिनका एयूएम एक हजार करोड़ रुपए भी नहीं है। इसमें आईटीआई, एसेल, आईआईएफसीएल, क्वांट, यस, सहारा और ट्रस्ट आदि फंड हाउस हैं। इनके अलावा जिन फंड हाउस के एयूएम में ज्यादा गिरावट आई है उसमें एलआईसी का एयूएम 12.9 पर्सेंट गिरा है। आईडीबीआई के एयूएम में 7.5 पर्सेंट, जे एम फाइनेंशियल के एयूएम में 11 पर्सेंट की गिरावट आई है।

एलन मस्क बने दुनिया के सबसे अमीर शख्स

न्यूयॉर्क। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में गुरुवार को 4.8 पर्सेंट की तेजी के बाद उन्होंने ब्लूमबर्ग की ओर से जारी की जाने वाली अरबपतियों की सूची में ऐमजॉन के मालिक जेफ बेजॉस को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में 500 अरबपति शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका में जन्मे इंजीनियर एलन मस्क की संपत्ति न्यूयॉर्क के समय के मुताबिक सुबह 10:15 बजे 188.5 अरब डॉलर हो गई, जोकि बेजॉस की संपत्ति से 1.5 अरब डॉलर अधिक है। बेजॉस अक्टूबर 2017 से ही अमीरों की सूची में पहले स्थान पर काबिज थे। संपत्ति के मामले में ही नहीं स्पेसएक्स के सीईओ स्पेस टेक्नॉलजी भी बेजॉस के प्रतिद्वंद्वी हैं। बेजॉस ब्लू ऑरिजन एलएलसी के भी मालिक है।

दुनिया के लिए 2020 भले ही जैसा भी रहा हो, लेकिन एलन मस्क के लिए पिछले 12 महीने बेहद शानदार रहे हैं। पिछले एक साल में मस्क की संपत्ति 150 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी, यह इतिहास में धन सृजन की संभवतः सबसे तेज गति है। इसमें टेस्ला का बहुत बड़ा योगदान है, जिसके शेयर पिछले एक साल में 743 फीसदी उछले हैं।

यदि बेजॉस का तलाक नहीं हुआ होता तो वह अभी भी मस्क से काफी आगे होते। तलाक के बाद उन्हें अपनी पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट संपत्ति का बड़ा हिस्सा दिया तो दिल खोलकर दान भी किया। उन्होंने पिछले साल नवंबर में 68 करोड़ डॉलर के शेयर दान किए हैं।

बहुत सस्ता हुआ अंडाः छाया बर्ड फ्लू का आतंक, कौड़ियों के भाव बिक रहे बाजार में

बरवाला। अभी देश की अर्थव्यवस्था कोरोना से लड़खड़ाने के बाद उबर ही रही थी कि बर्ड फ्लू ने अर्थव्यवस्था को चौपट करने में कोई कसर नहीं छोड़ा । खासकर मटन चिकन से जुड़े लोगों को तो कहीं का नहीं छोड़ा है।

बर्ड फ्लू ने चिकन कारोबारियों को मुश्किल में डाल दिया है। बर्ड फ्लू के कारण लोगों की सतर्कता से चिकन और अंडे का कारोबार घटकर आधा रह गया है। बरवाला, हरियाणा देश की सबसे बड़ी अंडे की मंडी है। जानकारों के मुताबिक यहां से हर रोज़ 1.25 से 1.5 करोड़ अंडे का व्यवसाय होता है। लेकिन बर्ड फ्लू का असर इस मंडी पर साफ दिख रहा है। सोशल मीडिया पर तो यह अफवाह भी फैली थी कि बरवाला की पोल्ट्री में मुर्गियां बर्ड फ्लू से मर रही हैं। इसी तरह की खबरों के बीच बरवाला का अंडा बाज़ार काफी नीचे आ गया है।

जीडीपी में गिरावट के अनुमान पर वित्त मंत्रालय का रिएक्शन, अर्थव्यवस्था में तेज सुधार आने का संकेत

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बारे में ताजा अनुमान अर्थव्यवस्था में वी-आकार (बड़ी गिरावट के बाद तेजी से सुधार) के पुनरोद्धार का संकेत है। यह चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से आर्थिक गतिविधियों में लगातार आ रहे सुधार को दर्शाता है। वित्त मंत्रालय ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमान पर यह प्रतिक्रिया दी है। एनएसओ ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय

अर्थव्यवस्था में 7.7 प्रतिशत की गिरावट आएगी। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, 2020-21 का अग्रिम अनुमान चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी से सुधार का संकेत देता है। यही वजह है कि चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में गिरावट अब 7.7 प्रतिशत ही रहने का अनुमान है। बयान में कहा गया है कि तिमाही-दर-तिमाही सुधार अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद और लॉकडाउन के बाद वी-आकार के सुधार को दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि हाल के महीनों में विभिन्न उच्च चक्रीय संकेतक आर्थिक गतिविधियों में व्यापक आधार पर सुधार का संकेत देते हैं। बयान में कहा गया है, भारत में अन्य विकसित देशों की तुलना में महामारी की स्थिति अधिक नियंत्रण में है। इससे भी आर्थिक पुनरोद्धार को रफ्तार मिली है।

सरल जीवन बीमा के बारे में 10 बातों की जानकारी जरूर रखें

नई दिल्ली। बीमा नियामक इरडा के निर्देश पर बीमा कंपनियों ने 1 जनवरी, 2021 से सरल जीवन बीमा (स्टैंडर्ड टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी) पेश करना शुरू किया है। इस पॉलिसी की सबसे खास बात है कि आप कम प्रीमियम में भी टर्म प्लान खरीद सकते हैं। बीमा विशेषज्ञों के अनुसार, यह शुद्ध जोखिम वाली जीवन बीमा पॉलिसी है जो बीमा धारको को आकस्मिक मृत्यु होने पर एकमुश्त बीमा राशि का भुगतना करेगा। यह पॉलिसी दुर्घटना लाभ और स्थायी विकलांगता लाभ जैसे दो राइडर के साथ भी उपलब्ध है।

स्टैंडर्ड टर्म प्लान की 10 प्रमुख विशेषताएं

1. अधिकतम और न्यूनतम आयु

सरल जीवन बीमा पॉलिसी को अधिकतम 65 साल और न्यूनतम 18 साल का व्यक्ति खरीद सकता है।

2. पॉलिसी की अवधि

पॉलिसी को 5 साल से लेकर 40 साल के लिए खरीदा जा सकता है।

3. अधिकतम परिपक्वता आयु

इस पॉलसी में अधिकतम परिपक्वता आयु 70 साल है।

4. कवर राशि

बीमा कंपनियां पांच लाख से 25 लाख रुपये तक की कवर राशि इस पॉलिसी के तहत देगी। कंपनी चाहे तो वह इससे अधिक की राशि का कवर दे सकती है।

5. प्रीमियम भुगतान का विकल्प

बीमाधारक रेगुलर प्रीमियम का भुगतान कर सकता है। इसके अलावा पांच या 10 साल का विकल्प या एकल प्रीमियम का भी विकल्प चुन सकता है।

6. प्रीमियम का भुगतान

बीमाधारक सालाना, महीने में या छमाही आधार पर प्रीमियम का भुगतान कर सकता है। इसके साथ एकल प्रीमियम का भी विकल्प चुन सकता है।

7. मृत्यु का लाभ

रेगलुर और सीमित प्रीमियम भुगतान में वार्षिक प्रीमियम का 10 गुना राशि मृत्यु पर बीमाधारक को मिलेगा। वहीं सीमित प्रीमियम में भुगतान किए गए सभी प्रीमियम का 105त्न दिया जाएगा। एकल प्रीमियम में 125त्न राशि का भुगतान किया जाएगा।

8. प्रतिक्षा अवधि

इस पॉलिसी के तहत प्रतिक्षा अवधि 45 दिन का है। वहीं, पॉलिसी लेने इस पॉलिसी के तहत सुसाइड के मामले में कोई क्लेम नहीं मिलेगा। पॉलिसीधारक की पॉलिसी अवधि के दौरान मृत्यु के बाद उसके नॉमिनी को करों को छोड़कर प्राप्त सभी प्रीमियमों के 100त्न के बराबर राशि, का भुगतान किया जाएगा।

9. लोन

पॉलिसी के एजव में कोई लोन नहीं मिलेगा।

10. परिपक्वता लाभ

पॉलिसी के तहत कोई परिपक्वता लाभ नहीं दिया जाएगा।

पेट्रोल बिगाड़ेगा सरकार और हमारा बजट, 5 रुपये लीटर की राहत भी दे सकती है सरकार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उछाल का असर घरेलू बाजार पर हो रहा है। शुक्रवार को पेट्रोल डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत गुरुवार को 23 पैसा बढ़कर 84.20 रुपये प्रति लीटर हो गया, जो अब तक का उच्चतम स्तर है।

ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में कच्च तेल 58 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। ऐसा होने पर पेट्रोल-डीजल की कीमत में 5-6 रुपये की बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी पेट्रोल कीमतों पर जल्द बड़ी राहत भी मिल सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने सरकार से ऊंची पेट्रोल, डीजल कीमतों पर राहत देने की सिफारिश की है। मंत्रालय ने कहा है कि उत्पाद शुल्क में कटौती कर जनता को बड़ी राहत दी जा सकती है। अगर ऐसा हुआ तो पेट्रोल के दाम 5 रुपये प्रति लीटर तक नीचे आ सकते हैं।

एंजेल ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड रिसर्च) अनुज गुप्ता ने हिन्दुस्तान को बताया कि दुनियाभर में कोरोणा का टीकाकरण शुरू होने और मांग बढ़ने से कच्चा तेल 50 डॉलर के पार निकल गया है। इस महीने के अंत या अगले महीने तक कच्चा तेल 54 से 58 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकता है। 58 डॉलर के स्तर के पार निकलने पर कच्चा तेल 65 डॉलर प्रति बैरल तक इस साल के मध्य तक पहुंच सकता है। अगर कच्चा तेल 58 डॉलर के पार निकलता है तो घरेलू बाजार में पेट्रोल की कीमत 6 से 8 रुपये की बढ़ोतरी हो सकती है। डीजल में भी बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है।कोरोना से देश की अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए आरबीआई ने

मौद्रिक समीक्षा में लचीला रुख बनाए रखा है। यानी रेपो रेट में कटौती की संभावना बनी हुई है जिससे कर्ज लेना सस्ता होता लेकिन अब तेल की आग आरबीआई का गणित बिगाड़ सकता है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से महंगाई बढ़ेगी जिससे काबू करना आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की पहली चुनौती होगी।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने उप्र के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का दतिया में किया स्वागत

भोपाल । उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के शनिवार को दतिया पहुंचने पर गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने स्वागत किया। श्री मौर्य ने शनिवार को माँ पीताम्बरा माई के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और सभी के सुख समृद्धि के लिए कामना की।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला से मिले कृषि मंत्री पटेल

भोपाल । प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने शनिवार को नई दिल्ली में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने प्रदेश में केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए कानूनों के समर्थन में किसान चौपाल लगाकर चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। श्री पटेल ने बताया कि मध्यप्रदेश में किसानों की आय को निरंतर बढ़ाने के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। केंद्र सरकार पंचायत राज दिवस पर लागू की गई प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही किसानों के हित में योजनाओं से किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रसन्नता जताई साथ ही आश्वस्त किया कि वह हमेशा उनके साथ हैं।

मुख्यमंत्री ने सोलंकी के निधन पर जताया शोक

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री चौहान ने अपने शोक संदेश में कहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता माधव सिंह सोलंकी के निधन का दु:खद समाचार मिला है। मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और उनके परिजनों को इस वज्रपात को सहने की क्षमता प्रदान करें।

भंडारा अस्पताल में हुआ हादसा हृदय विदारक : सीएम

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भंडारा के जिला अस्पताल में आग लगने से हुई मासूमों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री चौहान ने शनिवार को ट्वीट के माध्यम से कहा कि महाराष्ट्र के भंडारा के जिला अस्पताल में आग लगने से हुए हादसे में अनेक मासूमों के असामयिक निधन का समाचार हृदय विदारक है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने और परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

यूपीएससी ने 46 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

भोपाल । संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने कई पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। कुल रिक्तियों की संख्या 46 हैं। आयोग ने जिन पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं उनमें असिस्टेंट डायरेक्ट (शिपिंग) असिस्टेंट प्रोफेसर के पद हैं। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर 28 जनवरी से पहले ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता संबंधी जानकारी वेबसाइट पर दी गई है। उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा और इंटरव्यू के जरिए होगा।

विकास के कार्यों में कोई कमी नहीं आने देंगे : देवड़ा

भोपाल । प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि विकास के कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। श्री देवड़ा ने शनिवार को मंदसौर जिले की नगर परिषद पिपलियामंडी में एक करोड़ 45 लाख के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया और कहा कि क्षेत्र में विकास के कार्यो में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने 81 लाख 22 हजार से निर्मित होने वाले सर्व-सुविधायुक्त नवीन नगर परिषद कार्यालय पिपलियामंडी, 37 लाख 20 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले वार्ड क्रमांक 5 में शॉपिंग काम्पलेक्स का भूमि-पूजन एवं 27 लाख 21 हजार से निर्मित वार्ड क्रमांक 12 में मांगलिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने इस कार्यक्रम में हितग्राहियों को लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।

छिंदवाड़ा के किसान सम्मेलन में शामिल होंगे कमलनाथ

भोपाल । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देशानुसार कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर धरना-प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के तीन काले कृषि कानून का विरोध कर रही है। कांग्रेस पार्टी द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार सात जनवरी से 15 जनवरी के मध्य जिला एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटियों द्वारा एक दिन का धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने बताया कि आगामी दिनों में 12 जनवरी को भिंड जिले के गोहद में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री डॉ. गोविंद सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह 11 जनवरी को सतना, 12 जनवरी को रीवा, 13 जनवरी को सीधी एवं 14 जनवरी को सिंगरौली जिले में किसानों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 16 जनवरी को छिंदवाड़ा जिले में आयोजित किसान सम्मलेन एवं 20 जनवरी को मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में आयोजित किसान सम्मलेन में शामिल होंगे।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने सीएम हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा

प्रधानमंत्री की हर योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश लीडर : गजेंद्र सिंह शेखावत

वर्ष 2023 तक प्रदेश के हर घर में नल से पहुंचेगा जल : मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री जी की हर योजना में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लीडर है। यह बात केंद्रीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का वर्ष 2024 तक हर घर में शुद्ध जल पहुंचाने का संकल्प है। मध्यप्रदेश में इस संकल्प को वर्ष 2023 तक ही पूरा कर लिया जाएगा।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से जल आवंटन में मध्यप्रदेश का अहित नहीं होने देंगे: एक सवाल के जबाब में केन्द्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से जल आवंटन में मध्यप्रदेश का अहित नहीं होने देंगे। श्री शेखावत ने कहा कि जो काम 70 साल में नहीं हुआ वह एक वर्ष में कर दिखाया।

उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह एवं प्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि पिछले छह माह में जो प्रदेश पीछे की लाइन में था वो आज देश के सबसे आगे चार प्रदेश में खड़ा है। भूजल की बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे देश में 65 फीसदी जल की आपूर्ति भूजल से होती है। भूमि से जल निकालने वाले दुनिया के देशों में भारत का स्थान पहला है। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हर घर नल जल योजना के तहत 25 सितंबर 2023 तक प्रदेश के हर घर में नल के माध्यम से जल पहुंचेगा।

भोपाल स्थित राज्य मंत्रालय में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जल जीवन मिशन की पुस्तिकाओं का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट भी उपस्थित थे।

मप्र में अटल भू-जल योजना में तेजी से हुआ काम

इसके पहले केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने शनिवार को यहां मंत्रालय में अटल भू-जल योजना एवं जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि अटल भू-जल योजना के प्रथम चरण में मध्यप्रदेश में तेज गति से काम हुआ है। मध्यप्रदेश की भूजल गुणवत्ता काफी अच्छी है। योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के छह जिले छतरपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना एवं निवाड़ी तथा नौ ब्लाक पथरिया, छतरपुर, नौगांव, राजनगर, अजयगढ़, पलैरा, बलदेवगढ़ एवं निवाड़ी शामिल हैं। योजना को वर्ष 2025 तक पूरा किया जाना है। मध्यप्रदेश में योजना की लागत 315.62 करोड़ है। शत-प्रतिशत राशि विश्व बैंक व भारत सरकार से प्राप्त होगी। मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि हर घर में जलस्रोतों व भूजल की स्थिति तथा जल के उपयोग के संबंध में ग्रामवासियों में जागरूकता आवश्यक है। गांव के जल प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जानी है। जल जीवन मिशन का उद्देश्य है हर घर में नल कनेक्शन हो तथा उससे स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पानी मिलता रहे। इसके लिए जो संरचना बने वह 30 साल तक चलती रहे। पूरे देश में अगले पांच वर्ष में 16 करोड़ नल कनेक्शन होने हैं।केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर गांव में जल प्रबंधन समितियां तथा ग्राम पंचायत के माध्यम से वहां के जल का प्रबंधन किया जाना है। इसके लिए हर गांव की जल कार्य योजना तैयार की जानी है।

अटल भू-जल योजना का रोडमैप तैयार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2024 तक हर घर में शुद्ध जल पहुंचाने का संकल्प है। मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प को वर्ष 2023 तक ही पूरा कर लिया जाएगा। अटल भू-जल योजना का भी रोडमैप तैयार है, इस पर तेजी अमल किया जाएगा।

छह माह में डेढ़ लाख नल कनेक्शन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत मध्यप्रदेश में तेज गति से काम हो रहा है। पिछले छह माह में लगभग डेढ़ लाख कनेक्शन हो गए हैं। प्रदेश के एक करोड़ 21 लाख घरों में से 29 लाख 68 हजार घरों में कनेक्शन हो गए हैं तथा 91 लाख 56 हजार घरों में कनेक्शन होने हैं। योजना के अंतर्गत बुरहानपुर एवं निवाड़ी जिलों में आगामी मार्च महीने तक कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

जल जीवन पुस्तिकाओं का किया विमोचन

बैठक में जल शक्ति मंत्री श्री शेखावत द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की जल जीवन मिशन पर प्रकाशित पुस्तिकाओं का विमोचन किया गया। इसी के साथ बुरहानपुर जिले की जल जीवन मिशन की जिला कार्य योजना का विमोचन भी किया गया। बैठक में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, नेशनल जल जीवन मिशन के डायरेक्टर भरत लाल, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मलय श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन एसएन मिश्रा आदि उपस्थित थे।

आयुष्मान योजना के जरिए गरीबों का मुफ्त इलाज करा रही है सरकार : डॉ. मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया के कमरारी में आयोजित भूमि-पूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी गरीब व्यक्ति को इलाज के अभाव में दम तोड़ने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए आयुष्मान कार्ड के माध्यम से सरकार निजी चिकित्सालय में गरीब परिवार के उपचार पर पांच लाख की राशि खर्च करेगी।

गृहमंत्री ने दतिया जिले में दो करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मंत्री डॉ. मिश्रा ने इस कमरारी में दो करोड़ 11 लाख से अधिक की लागत के विकास एवं निर्माण कार्यों का शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया किया, जिनमें एक करोड़ पांच लाख 70 हजार की लागत के नौ विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं एक करोड़ पांच लाख 42 हजार की लागत के 13 विकास एवं निर्माण कार्य शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने 81 लाख की लागत के निर्माण कार्यों की घोषणा कर विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत् हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर लाभान्वित भी किया। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की चर्चा करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत की भी जानकारी ली। गृहमंत्री ने पटवारी को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से गांव में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण की कार्यवाही करें। इस अवसर पर सुरेंद्र बुधौलिया, पूर्व विधायक डॉ. आशाराम अहिरवार, सहित अन्य अधिकारी, गणमान्य नागरिक व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

महिला सशक्तिकरण पर फिल्म निर्माण सराहनीय : शिवराज

मुख्यमंत्री से की कंगना रनौत ने मुलाकात

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से शनिवार शाम यहां फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने मुलाकात की। कंगना रनौत महिला सशक्तिकरण पर आधारित फिल्म धाकड़ की शूटिंग के सिलसिले में शुक्रवार को यहां पहुंची हैं। मुख्यमंत्री निवास पर श्री चौहान से शनिवार शाम सौजन्य भेंट के दौरान फिल्म की इकाई से जुड़े महत्वपूर्ण व्यक्ति भी मौजूद थे।

श्री चौहान ने महिला और बालिका सशक्तिकरण की थीम पर आधारित फिल्म के निर्माण के लिए अभिनेत्री कंगना रनौत और उनके साथी कलाकारों को बधाई दी। श्री चौहान ने इस अवसर पर बताया कि राज्य में बेटी बचाओ अभियान चल रहा है। इसके तहत बालिकाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही उनकी सुरक्षा और सम्मान के लिए कार्य किया जा रहा है। विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत महिलाओं को लाभांवित किया जा रहा है। अभिनेत्री ने राज्य सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि बालिकाओं और महिलाओं को बहला और फुसला कर विवाह करने और बाद में उन्हें प्रताड़ित करने के मामलों पर रोक लगाने के लिए कानूनी प्रावधान किया गया है, जो महत्वपूर्ण है। कंगना रनौत फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में पहले भी भोपाल और राज्य के अन्य शहरों में आ चुकी हैं।

वीडी शर्मा आज कटनी और कल पन्ना प्रवास पर

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद वीडी शर्मा 10 एवं 11 जनवरी को कटनी एवं पन्ना प्रवास पर रहेंगे। श्री शर्मा 10 जनवरी को प्रातः सात बजे भोपाल से कटनी रवाना होंगे। वे सांची, विदिशा, राहतगढ़, सागर, दमोह, रीठी होते हुए कटनी पहुंचेंगे।

कटनी में दोपहर एक बजे सिविल लाइन स्थित भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मंत्री स्व. राजेश जैन को उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। गत दिनों स्व. जैन का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। दोपहर दो बजे सर्किट हाउस में जिला कोर समिति की बैठक में शामिल होंगे। दोपहर 2.30 बजे कलेक्ट्रेट आफिस में बैठक में भाग लेंगे। श्री शर्मा शाम चार बजे जिला कार्यालय में आयोजित कटनी

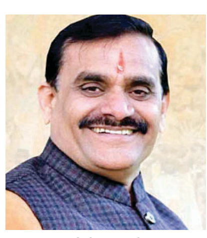

जिले के मंडल अध्यक्षों की बैठक एवं शाम 4.30 बजे भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। शाम 6.30 बजे कटनी से बहोरीबंद रवाना होंगे। प्रदेश अध्यक्ष शाम 7.15 बजे बहोरीबंद बस स्टेण्ड एवं दुकानों का लोकार्पण करेंगे। रात्रि 8 बजे बहोरीबंद कटनी से पन्ना रवाना होंगे। रात्रि विश्राम पन्ना सर्किट हाउस में करेंगे। श्री शर्मा 11 जनवरी को सुबह नौ बजे पन्ना से गुनौर रवाना होंगे। सुबह 10 बजे गुनौर नगर पंचायत कार्यालय का शुभारंभ करेंगे। श्री शर्मा प्रातः 11.30 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में बैठक में शामिल होंगे। दोपहर 12.30 बजे पन्ना के पॉलिटेक्निक ग्राउंड में आयोजित सांसद निधि से स्वीकृत कार्यो का भूमिपूजन एवं ट्राईसाइकिल वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 1.30 बजे चिटाकुंआ ग्राउंड में एनएमडीसी पन्ना के सीएसआर योजना के तहत सुदर्शन वनवासी छात्रावास के नए भवन का लोकार्पण करेंगे।

शाम पांच बजे जिला कार्यालय में आयोजित जिला कोर समिति की बैठक में शामिल होंगे। प्रदेश अध्यक्ष शाम 5.30 बजे सर्किट हाउस में आमजन एवं अन्य संगठनों से भेंट करेंगे। शाम छह बजे पन्ना से अमानगंज पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होकर शाम सात बजे भोपाल के लिए रवाना होंगे।

केन-बेतवा लिंक परियोजना के संबंध में मध्य प्रदेश का पक्ष

भोपाल । केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को यहां मंत्रालय में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं सभी संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केन बेतवा लिंक परियोजना के जल के बंटवारे के संबंध में बैठक हुई। जिसमें मध्यप्रदेश ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की दौधन बांध पर 6590 एमसीएम जल उपलब्धता के आधार पर बांध से उत्तरप्रदेश के लिए 700 एमसीएम जल सभी प्रयोजनों के लिए लिंक केनाल सहित नॉन मानसून के दौरान आवंटित करने पर सहमति है। लिंक केनाल द्वारा उत्तरप्रदेश को प्रदत्त जल को शामिल करते हुए उत्तरप्रदेश को आवंटित 1700 एमसीएम जल की एकाउंटिग बरियारपुर पिकअप वीयर पर की जाए। शेष संपूर्ण जल 2733 एम.सी.एम के उपयोग करने के लिए मध्यप्रदेश स्वतंत्र रहेगा।

उत्तरप्रदेश का पक्ष- परियोजना अंतर्गत उत्तरप्रदेश गैर मानसून अवधि में दौधन बांध से नवंबर से मई माह तक 935 एमसीएम पानी चाहता है।

राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण का सुझाव- राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण ने सुझाव दिया है कि परियोजना से नॉन मानसून मौसम में दौधन बांध पर उत्तरप्रदेश को 750 एमसीएम तथा मध्यप्रदेश को 1834 एमसीएम जल दें। अभिकरण द्वारा दौधन बांध पर जल उपलब्धता 6188 एमसीएम मानी गई है।

मध्यप्रदेश का तर्क- परियोजना के अंतर्गत समस्त तकनीकी एवं जल योजना डिजाईन केंद्रीय जल आयोग द्वारा दौधन बांध पर 6590 एम.सी.एम जल उपलब्धता के आधार पर की गई है, एवं समस्त अनुमोदन इसी आधार पर किए गए हैं। यदि दौधन बांध पर जल उपलब्धता 6590 एम.सी.एम के स्थान पर 6188 एम.सी.एम मानी जाती है, उस स्थिति में भविष्य में मध्यप्रदेश को लगभग 400 एम.सी.एम जल की हानि होगी, साथ ही यदि 750 एम.सी.एम जल दौधन बांध से नॉन मानसून सीजन में उत्तरप्रदेश को उपलब्ध कराया जाता है, उस स्थिति में रंगवान बांध, अंतरिम जलग्रहण क्षेत्र और बरियारपुर स्टोरेज में लगभग 200 एम.सी.एम जल उत्तरप्रदेश को अतिरिक्त रूप से प्राप्त होगा। अतः उत्तरप्रदेश को कुल आवंटित 1700 एमसीएम जल मौजूदा केन सिस्टम से बरियारपुर पर दिया जाना मध्यप्रदेश के हित में होगा।

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने मीडिया से चर्चा में कहा

यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाने वाली बेटियों की सहायता करेगी सरकार

मध्यप्रदेश में तैयार की जाएगी काउंसिल डेस्क

भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा है कि शातिर अपराधी प्यारे मियां के यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने वाली बहादुर बेटियों की मुआवजा स्वरूप सहायता की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन बेटियों से वह स्वयं मिले और विस्तार से चर्चा की। कानूनगो शनिवार की शाम लालघाटी स्थित वीआईपी गेस्ट हाउस में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्यारे मियां नाम के अपराधी द्वारा इन बच्चियों के साथ जो कृत्य किया गया है। इस मामले में बच्चियों को न्याय दिलवाया जाएगा। इसके लिए लगातार आयोग इन बेटियों से संवाद बना रहा है। इंदौर में भी उक्त आरोपी से पीड़ित बच्चियों से मुलाकात की गई है। उन्होंने कहा है कि इन बेटियों को मुआवजा के स्वरूप अभी पांच हजार की राशि प्रदान की जाएगी। इनके शिक्षण कार्य की जवाबदारी भी सरकार उठाएगी। इन बेटियों ने इंग्लिश और साइंस पढ़ने की इच्छा जाहिर की है। इसके लिए इन विषयों के एडिशनल टीचर की व्यवस्था की जा रही है।

इनके लिए काउंसलर की भी अलग से स्थाई व्यवस्था होगी। यह देश की सबसे बहादुर बेटियां हैं। कानूनगो ने कहा कि इन बेटियों ने वीरता पूर्ण कार्य करके शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई है। इनकी हिम्मत बढ़ाना हम सब की जवाबदारी है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में काउंसिल डेस्क तैयार की जाएगी। जहां शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने वाले बच्चों को इनके नंबर उपलब्ध कराए जाएंगे। कानूनगो ने कहा कि मध्यप्रदेश में 115 चिल्ड्रन इंस्टिट्यूट हैं, जहां पर विभाग के सहयोग से नियमित रूप से इनकी मानिटरिंग करवाई जाएगी। सतत निरीक्षण की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा है कि इन संस्थानों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए बाल संरक्षण आयोग द्वारा मासी नामक एक एप लांच किया जा रहा है। यह एक मां की तरह बच्चों की मॉनिटरिंग करेगा। इसमें पूरा डाटा संरक्षित किया जाएगा।

प्रदेश के छह धार्मिक स्थानों से होगी बाल संरक्षण की निगरानी

प्रियंक कानूनगो ने कहा कि देश के 50 ऐसे धार्मिक स्थल चिन्हित किए गए हैं जहां से बाल भिक्षावृत्ति बाल श्रम की निगरानी आयोग स्वयं करेगा। इसके लिए मध्यप्रदेश में छह धार्मिक स्थलों का चयन किया गया है। इनमें सांची, पीतांबरा पीठ दतिया, खजुराहो, महाकालेश्वर उज्जैन, ओमकारेश्वर और ओरछा जैसे धार्मिक स्थल शामिल हैं। प्रियंक कानूनगो ने कहा कि भोपाल की प्रॉसीक्यूशन रिलीफ फंड संस्था द्वारा मिशनरी स्कूलों में बच्चों के शोषण से संबंधित झूठी खबरों का प्रकाशन विदेशों तक में करवाया गया है। अब इस संस्था से इन जानकारियों का रिकॉर्ड मांगा जा रहा है। प्रदेश सरकार से भी कहा गया है कि अगर यह संस्था सही रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं करती हैं तो इस पर कार्यवाही की जाए। कानूनों ने कहा कि इस संस्था के पास ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है फिर भी विदेशों में झूठी खबरों का प्रकाशन कर देश की और दुनिया के प्रतिष्ठित पोक्सो एक्ट की छवि को खराब किया गया है। उन्होंने धर्मांतरण को लेकर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाए गए कानून की भी प्रशंसा की।

बाल संरक्षण गृहों की निगरानी के लिए 'मासी' नामक एप होगा लांच

श्री कानूनगो ने बताया कि देश के विभिन्न क्षेत्रों के बाल संरक्षण गृहों की स्थिति में सुधार करना और उनमें रह रहे बच्चों की सुरक्षा राष्ट्रीय बाल आयोग की प्राथमिता है। उन्होंने बताया कि देश के सभी बाल संरक्षण गृहों की स्थितियों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी, जिससे यहां रहने बाले बच्चों की स्थिति, सुरक्षा व वातावरण में अपेक्षित सुधार होंगे। इन बाल संरक्षण गृहों की सुरक्षा व निगरानी के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग 'मासी' नामक एप लांच करने जा रहा है। श्री कानूनगो ने बताया कि जीपीएस इनेवल्ड इस एप से बाल संरक्षण ग्रहों में निरीक्षण के लिए पहुंचने वाले अधिकारियों की रियल टाइम जानकारी व उनके द्वारा दिया जा रहा डाटा भी रियल टाइम में मिल जाएगा। बच्चो के अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि देश में सभी बाल संरक्षण गृहों की मौजूदा स्थिति का आंकलन करवाने के बाद आयोग ने एक रिपोर्ट तैयार की है। जिसे राज्यों के साथ साझा किया गया है। ताकि आपेक्षित सुधार हो सकें। एक अन्य मामले में आयोग ने सागर कलेक्टर द्वारा की गई कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए निर्देश दिए हैं कि सागर कलेक्टर धर्मांतरण का मामला दर्ज करने के साथ जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की समुचित धाराओं के तहत कार्यवाही करें।

Nora Fatehi Bollywood Experience: जानें क्यों कास्टिंग डायरेक्टर की बातों से दुखी

नोरा फतेही

छोड़ने वाली थी भारत

नोरा फतेही

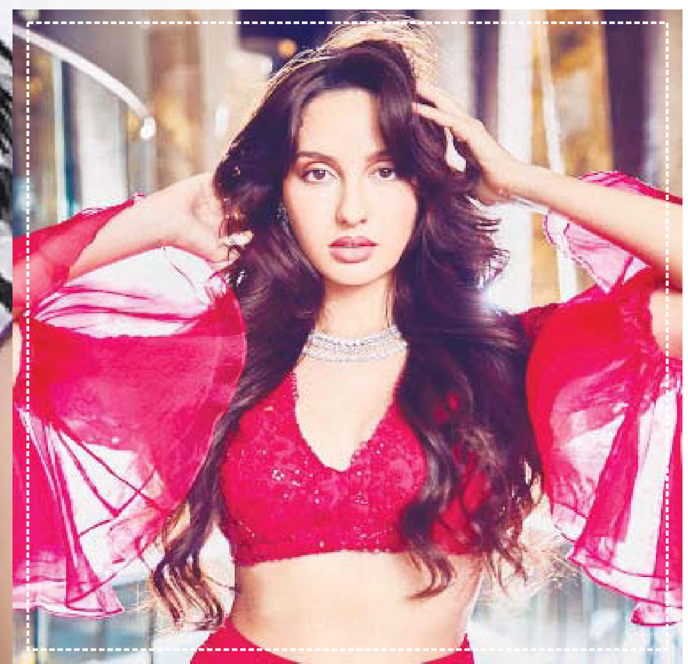

फिल्म अभिनेत्री नोरा फतेही ने अपने साथ हुए एक बुरे अनुभव के बारे में बताया हैद्य दरअसल एक कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें घर बुलाकर डांटा थाद्य इसके चलते वह भारत लगभग भारत छोड़ने को तैयार हो गई थी. नोरा फतेही ने कास्टिंग डायरेक्टर का नाम नहीं लिया हैद्य नोरा फतेही कनाडा से भारत आई है, ताकि वह फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम बना सकेंद्य वह भारत में किसी को जानती नहीं थी. शुरुआती दिनों में एक कास्टिंग डायरेक्टर के साथ उनका अनुभव बुरा रहा. इसके चलते वह लगभग अपना बैग पैक कर चुकी थी और भारत छोड़ने वाली थी.

करीना कपूर के चैट शो व्हाट विमेन वांट पर नोरा फतेही ने कहा कि एक बार एक कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें घर पर बुलाया और उन्हें नीचा दिखाया और कहा कि उनमें प्रतिभा की कमी है. हालांकि नोरा ने कास्टिंग डायरेक्टर का नाम नहीं बताया. नोरा फतेही ने कहा, 'एक कास्टिंग डायरेक्टर को मैं कुछ महीने पहले मिली थी. उनकी बातें सुनकर मुझे ऐसा लगा कि मैं अपना बैग बांधकर भारत छोड़ दूं. उन्होंने मुझे कहा आपके जैसी यहां बहुत कई हैं. हमारी इंडस्ट्री आपके जैसे लोगों से परेशान हैं. हमें आपकी जरूरत नहीं है. वह मुझपर चिल्ला रही थी. कह रही थी कि तुम में टैलेंट की कमी है. हम तुम्हें नहीं चाहते.

नोरा कास्टिंग डायरेक्टर की बात सुनकर रोने लगी. नोरा ने आगे कहा, 'मैं रोने लगी. मैंने इस बारे में सोचा नहीं था क्योंकि मुझे कास्टिंग डायरेक्टर ने बुलाया था.मैं यह भी नहीं जानती कि वह कौन है. उन्होंने मुझे अपने घर पर बुलाया और मुझे बिठाकर डांटने लगी. मैं भारत में नई आई थी, तब मुझे लगा क्या सब लोग ऐसा ही करते हैं.

नोरा फतेही ने फिल्म सत्यमेव जयते में दिलबर गाने से लोकप्रियता प्राप्त थी. इसके बाद उन्होंने कमरिया और ओ साकी साकी जैसे कई सुपरहिट गाने दिए. नोरा अब फिल्म 'भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया' में नजर आएंगी.

Bigg Boss 14: अपने पति को लेकर राखी सावंत का नया खुलासा, कहा- शादी के तुरंत बाद चला गया छोड़कर और फिर...

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 14 हर दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में बना रहता है। इस शो के कई कंटेस्टेंट्स अपने खेल के साथ बयानबाजी और झगड़ा करने की वजह से भी खूब सुर्खियां बटोरते हैं। इतना ही नहीं बिग बॉस 14 में मौजूद कई कंटेस्टेंट्स अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलासे भी करते रहते हैं। अब बॉलीवुड अभिनेत्री और ड्रामा क्वीन के नाम से मशहूर राखी सावंत ने अपने पति को लेकर बड़ी बात बोली है।

राखी सावंत ने बिग बॉस 14 में चैलेंजर के तौर पर एंट्री ली है। वह जब से शो का हिस्सा बनीं हैं तब से वह अपने झगड़े और बयानों को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। बुधवार को प्रसारित हुए बिग बॉस 14 के शो में राखी सावंत ने अपने पति रितेश के बारे में कहा कि वह उन्हें शादी के तुरंत बाद ही छोड़कर चला गया और फिर कभी वापस नहीं आए।

यह बात बिग बॉस 14 के घर में राखी सावंत ने अभिनव शुक्ला और निक्की तंबोली के सामने कही हैं। राखी, अभिनव और निक्की के साथ गार्डन में बैठी हुई होती हैं। तभी बात करते हुए वह कहती हैं हमारे पतिदेव जाओ तुम्हें अगर तलाक देना है तो दे दो। हम नहीं डरते तुमसे। इस पर अभिनव शुक्ला कहते हैं कि ऐसे क्यों बोल रही हो, तो राखी बोलती है वैसे भी कौन सा फर्क पड़ता है। डेढ़ साल हुआ, आया ही नहीं है, शादी की उसी रात तो भाग गया।

राखी सावंत आगे कहती हैं कि शादी हुई मैं अलग कमरे में थी, वह अलग कमरे में था। मेरी मेकअप आर्टिस्ट आई, उसे पता नहीं था। उसने पोस्ट कर दिया राखी सावंत मैरिज, तीन घंटे में आग की तरह न्यूज फैल गई। मीडिया नीचे आ गई, नीचे से मैनेजर के फोन आ रहे हैं कि क्या हम मीडिया को आने दें। मैंने मना कर दिया, तो रितेश ने कहा कि तुम्हारी वजह से सब हो रहा है। मेरी एक भी तस्वीर नहीं आनी चाहिए, मेरी बात नहीं होना चाहिए। तुम क्या करोगी बताओ।

राखी आगे कहा है कि उसने मुझे तलाक देने की धमकी दी। मैंने उसे बोला तलाक मत दो मैं वादा करती हूं सब संभाल लूंगी, तुम जाओ, मेरी मां बीमार थी। 104 बुखार था, मेरा भाई वहां खड़ा था। शादी होते ही उसने धमकी दे दी। उसने अपना बैग बांधा और चला गया। रितेश ने मुझे बोला मैं 3-4 दिन के लिए यहां रहने वाला था, सारे पैसे भर दिए थे। अब तुम यहां रहो, तो उस होटल में मैं और मम्मी रहे और वह चला गया। वह गया उसके बाद से वापस ही नहीं आया। आ रहा हूं, आ रहा हूं, कहता रहता है।

आपको बता दें कि राखी सावंत के पति रितेश आज तक कभी मीडिया के सामने नहीं आए हैं, लेकिन वह कुछ समय से अपने पति के नाम को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं।

Billiards Champion Pankaj Advani ने की बॉलीवुड की इस सेलेब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट से शादी

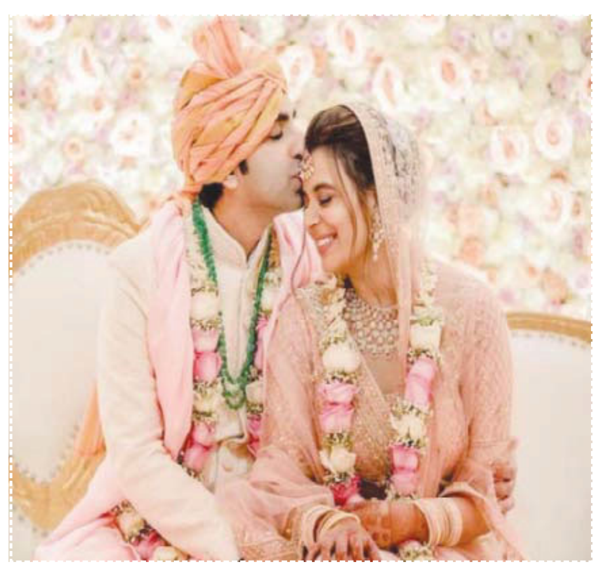

बिलियर्ड्स चैम्पियन पंकज आडवाणी और बॉलीवुड सेलेब्रिटी स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट सानिया शददपुरी शादी के बंधन में बंध गये हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ने दोनों ने मुंबई में एक निजी समारोह में बुधवार को शादी की। पंकज और सानिया ने सोशल मीडिया एकाउंट्स से अपनी शादी की ख़बर तस्वीरों के साथ साझा की।

पंकज ने ट्विटर पर सानिया के साथ रोमांटिक तस्वीर शेयर करके लिखा- 6 जनवरी 2021- हमारे एक होने की तारीख़। हमारे नये सफ़र के शुरू होने का जश्न। एक-दूसरे के लिए हम जो प्यार महसूस करते हैं, उसका प्रतिनिधित्व। हम एक-दूसरे के कितने नज़दीक हैं, उस चाहत का एलान। हमेशा के लिए एक होने वाली दो रूहों का मेल। कोरोना वायरस पैनडेमिक के चलते शादी में सिर्फ़ परिवार और क़रीबी रिश्तेदार ही शामिल हुए। शादी सांताक्रूज़ में एक गुरद्वारे में हुई है। शादी के बाद दोनों को जमकर बधाइयां दी जा रही हैं।

सानिया ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से शादी की तस्वीरें पोस्ट की हैं। सानिया मेकअप और हेयरस्टाइलिस्ट हैं। तापसी पन्नू, हर्षिता गौड़ समेत कई सेलेब्रिटीज़ ने सानिया को शादी के लिए बधाई दी। तापसी ने लिखा- बधाई स्वीट हार्ट। हर्षिता ने दिल की इमोजी बनाकर प्यार जताया। कृतिका कामरा ने ख़ुशी ज़ाहिर करते हुए बधाई दी।

सानिया के इंस्टाग्राम एकाउंट से पता चलता है कि मिर्ज़ापुर 2 फेम हर्षिता गौड़, टीवी कलाकार कृतिका कामरा, बिपाशा बसु, तापसी पन्नू, लीज़ा रे, पल पल दिल के पास से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस सहर बम्बा का मेकअप किया है। यह उनके नियमित क्लाइंट्स में शामिल हैं। सानिया के इंस्टाग्राम एकाउंट पर पंकज आडवाणी के साथ कई तस्वीरें देखी जा सकती हैं। बता दें, पिछले दिनों बॉलीवुड निर्देशक अली अब्बास ज़फ़र ने भी अपनी शादी का खुलासा किया। उन्होंने फ्रांस की एलिशिया से शादी की है। अली ने दुल्हन के साथ अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं।

Sushant Singh Rajput की बहनों के खिलाफ रिया चक्रवर्ती की एफआईआर निरस्त करने की मांग पर उच्च न्यायालय ने सुरक्षित रखा ऑर्डर

मुंबई उच्च न्यायालय ने रिया चक्रवर्ती द्वारा सुशांत सिंह राजपूत की बहन पर दायर एफआईआर को निरस्त करने की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा है. एएनआई के ट्वीट के अनुसार उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों को अपनी बात रखने के लिए 1 सप्ताह का अवसर दिया है. एएनआई ने ट्वीट किया है, मुंबई उच्च न्यायालय ने रिया चक्रवर्ती द्वारा दायर एफआईआर को निरस्त करने की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा है.

गौरतलब है कि रिया चक्रवर्ती ने सुशांत सिंह राजपूत की बहन पर उन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के ड्रग्स देने का आरोप लगाया है. कोर्ट ने दोनों पक्षों से लिखित सबमिशन में जवाब एक हफ्ते में मांगा है.

रिया चक्रवर्ती ने सुशांत सिंह राजपूत की बहन प्रियंका और मीतू सिंह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने बिना सुशांत को बताए उन्हें दवाई दी है. इसके चलते वह एंजाइटी के शिकार हुए. रिया ने यह भी दावा किया कि जो प्रिस्क्रिप्शन लिया गया था, वह नकली थाद्य सुशांत सिंह राजपूत का निधन 14 जून को मुंबई स्थित आवास पर हो गया है. उनके निधन की जांच सीबीआई, ईडी और एनसीबी कर रही है.

सुशांत के निधन के बाद ड्रग मामले में कई कलाकारों को एनसीबी के दफ्तर के चक्कर काटने पड़े हैं. इसमें फिल्म अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती भी शामिल हैं. दोनों को हाल ही में जमानत पर रिहा किया गया है. दोनों मुंबई में घर तलाशते नजर आए थे।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की बहनों की याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सुशांत सिंह राजपूत एक शांत, निर्दोष और बहुत अच्छे इंसान थे।

बार और बेंच के अनुसार, उनके चेहरे को देखकर कोई भी यह बता सकता है कि वह निर्दोष था। सुशांत सिंह राजपूत फिल्म अभिनेता थे और वह कई फिल्मों में अहम भूमिका निभा चुके थे. उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा व्यापार भी करती थी.

197 रनों की शानदार बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया हुआ मजबूत

सिडनी, (एजेंसी)। सिडनी के मैदान में ऑस्ट्रेलिया ने अपने बेहतर और शानदार खेल से तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार का खेल खत्म होने तक भारत पर 197 रनों की मजबूत बढ़त ले ली है। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने भारतीय टीम को अपने पहली पारी के स्कोर 338 रनों से आगे नहीं जाने दिया। पैट कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पहली पारी में 244 रनों पर ही समेट दिया और दूसरी पारी में 94 रनों की बढ़त लेते हुए उतरी। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक मेजबान टीम ने दो विकेट खोकर 103 रन बना लिए हैं और अपनी बढ़त को मजबूत कर लिया है। दिन का खेल खत्म होने तक उसके दो मुख्य बल्लेबाज मार्नस लाबुशैन 47 और स्टीव स्मिथ 29 रन बनाकर खेल रहे हैं। इन दोनों ने पहली पारी में भी शानदार बल्लेबाजी की थी। लाबुशैन ने 91 रन बनाए थे तो वहीं स्मिथ ने 131 रनों की पारी खेली थी।

ऑस्ट्रेलिया की सलामी जोड़ी एक बार फिर विफल रही और टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दे सकी। पहली पारी में अर्धशतक जमाने वाले विल पुकोवस्की 10 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज का शिकार हो गए। 35 के कुल स्कोर पर डेविड वॉर्नर (13) को रविचंद्रन अश्विन ने आउट किया। यहां से स्मिथ और लाबुशैन ने विकेट पर अपने पैर जमा लिए। दोनों के बीच अभी तक 68 रनों की साझेदारी हो चुकी है। लाबुशेन 69 गेंदों का सामना कर छह चौके लगा चुके हैं। वहीं स्टीव स्मिथ 63 गेंदों पर तीन चौके मार चुके हैं। इससे पहले भारत ने तीसरे दिन की शुरूआत 2 विकेट पर 96 रनों के साथ की। भारतीय टीम ने कुल 100.4 ओवरों का सामना किया। चेतेश्वर पुजारा ने 50 रन बनाए जबकि ऋषभ पंत ने 36 रनों की पारी खेली। रविंद्र जडेजा 28 रनों पर नाबाद लौटे।

पंत और जडेजा दोनों को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी और दोनों के स्कैन के लिए ले जाया गया है। पंत की जगह रिद्धिमान साहा विकेटकीपिंग कर रहे हैं। भारत ने दिन के पहले सत्र में कप्तान अजिंक्य रहाणे (22) और हनुमा विहारी (4) के विकेट गंवाए थे। दूसरे सत्र में भारत ने पंत और पुजारा के साथ-साथ बाकी सभी विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने चार विकेट लिए जबकि जोश हेजलवुड को दो विकेट मिले। मिशेल स्टार्क ने भी एक सफलता हासिल की। भारत के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए। यह कुल सातवां मौका है जब किसी एक पारी में भारत के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए हैं। लंच तक भारत अच्छी स्थिति में दिख रहा था। उस समय तक उसने चार विकेट पर 180 रन बनाए थे। चार में से दो विकेट शनिवार को गिरे थे जबकि दो शुक्रवार को गिरे थे। लंच तक पुजारा 42 और पंत 29 रनों पर नाबाद थे। लंच के बाद भारत के लिए स्थिति बिल्कुल विपरीत हो गई।

पहले पंत 195 के कुल योग पर आउट हुए और फिर इसी योग पर पैट कमिंस ने पुजारा को आउट किया। पंत का विकेट हेजलवुड ने लिया जबकि पुजारा को कमिंस ने चलता किया। इसके बाद जडेजा और रविचंद्रन अश्विन (10) ने स्कोर को 200 के पार पहुंचाया लेकिन 206 के कुल योग पर अश्विन रन आउट कर दिए गए। नवदीप सैनी (3) को मिशेल स्टार्क ने 210 पर चलता किया और जसप्रीत बुमराह को 216 के कुल योग पर लाबुशैन ने रन आउट किया। जडेजा 37 गेंदों पर पांच चौके लगाकर नाबाद रहे जबकि अंतिम विकेट के तौर पर कमिंस ने मोहम्मद सिराज (6) को आउट किया।

सिडनी में खेले जा रहे भारत–आस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट मैच के दौरान विल पुकोवस्की को आउट करने के बाद खुशी जाहिर करते मोहम्मद सिराज।

वेलिंग्टन में खेले जा रहे महिलाओं के क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान लेककास्पर्क को स्टंप आउट करती ईवार्ट।

हम पुजारा के लिए स्थिति काफी मुश्किल बनाने जा रहे है : कमिंस

सिडनी, (एजेंसी) ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने भारत के खिलाफ यहां जारी तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन करने के बाद शनिवार को कहा कि उनकी टीम चार मैचों की इस श्रृंखला के शुरू होने से पहले ही भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के लिए स्थितियों को जितना संभव हो उतना मुश्किल बनाने को लेकर प्रतिबद्ध थी। इस श्रृंखला में पुजारा की जरूरत से ज्यादा रक्षात्मक खेल की आलोचना हो रही है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 338 रनों के जवाब में 176 गेंद में उनकी 50 रन की बेहद धीमी पारी के कारण भारतीय टीम ने लय गंवा दी। कमिंस ने दिन के खेल के बाद ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, आज मुझे पिच से थोड़ी मदद मिली। लेकिन आपको पता है कि वह (पुजारा) ऐसा खिलाड़ी है जिसे आपको बहुत अधिक गेंदबाजी करनी होगी। टेस्ट रैंकिग के इस नंबर एक गेंदबाज ने पुजारा को पवेलियन भेजने के साथ महज 29 रन खर्च कर पांच विकेट लिये। मौजूद श्रृंखला की पांचवी पारी में पुजारा चौथी बार कमिंस का शिकार बने।

ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर पुजारा ने शानदार बल्लेबाजी की थी, लेकिन मौजूदा दौरे पर वह अब तक सहज नहीं दिखे है। कमिंस ने कहा, हमने श्रृंखला के लिये योजना बनायी थी कि उनके लिए रन बनाना जितना संभव हो उतना मुश्किल करेंगे। वह 200 गेंद खेले या 300 गेंद, हम उन्हें अच्छी गेंद डालकर चुनौती पेश करेंगे। किस्मत से यह योजना अब तक सफल रही है। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के 338 रन के जवाब में भारतीय टीम महज 244 रन पर सिमट गयी। तीसरे दिन स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 103 रन बनाकर अपनी बढ़त 197 रन की कर ली है। कमिंस ने कहा कि उनकी टीम बेहतर स्थिति में है, लेकिन भारत वापसी कर सकता है। इस 27 साल के गेंदबाज ने कहा, दिन के खेल के शुरू होते समय मैंने सोचा था कि हम गेंदबाजी करते हुए दिन को खत्म करेंगे। लगभग 200 रन की बढ़त और आठ विकेट बचे होने से हम अच्छी स्थिति में है। भारत अच्छी टीम है और मैं इस बात को लेकर अश्वस्त हूं कि वे वापसी करेंगे।

ओलंपिक में शुरू किए जाने चाहिए टी–10 क्रिकेट मुकाबले : गेल

अबुधाबी, (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल चाहते हैं कि क्रिकेट का ताजा और छोटा प्रारूप-टी-10 ओलंपिक खेलों में शामिल किया जाना चाहिए। अबुधाबी टी-10 लीग के आगामी सत्र में टीम अबुधाबी का प्रतिनिधित्व कर रहे गेल को लगता है कि टी-10 ऐसा प्रारूप है, जो दुनिया की बड़ी खेल प्रतियोगिताओं में क्रिकेट के प्रवेश को आगे बढ़ा सकता है। क्रिस गेल ने जमैका में अपने घर से बात करते हुए कहा कि वह टूनार्मेंट में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा इस समय मैं आराम कर रहा हूं जिसकी मुझे जरूरत है, लेकिन अबुधाबी टी-10 लीग को ध्यान में रखते हुए मैं जल्द ही कुछ ट्रेनिंग शुरू करूंगा और खेलने के लिए तैयार हो जाऊंगा। दो सत्र के बाद वह इस लीग में वापसी कर रहे हैं, जिससे वह काफी खुश हैं।

उन्होंने कहा इसलिए मैं निश्चित रूप से अबुधाबी में वापसी करके खुश हूं। दक्षिण अफ्रीका के क्रिस मौरिस भी मेरी टीम में हैं और मैं पहले भी उनके साथ खेला हूं, इसलिए उनके साथ और अन्य खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए वापसी करना अच्छा है। टी-10 के भविष्य की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए गेल ने कहा मैं टी-10 को ओलंपिक में देखना पसंद करूंगा। यह सामान्य दृष्टिकोण से खेल के लिए काफी बड़ी चीज होगी। उन्होंने कहा कि मुझे यह भी लगता है कि टी-10 अमेरिका में भी हो सकता है। मुझे लगता है कि क्रिकेट के लिए ज्यादातर लोग अमेरिका को नहीं पहचानते लेकिन टी-10 अमेरिका के अंदर कराने के लिए बिलकुल उपयुक्त है और मेरा मानना है कि यह बड़ा राजस्व हासिल करने में भी मदद कर सकता है।

चोटिल हुए ऋषभ तो साहा ने संभाली जिम्मेदारी

सिडनी, (एजेंसी)। भारत-आस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच में बल्लेबाजी के दौरान ऋषभ पंत चोटिल हो गए। इसके बाद ऋद्धिमान साहा ने जिम्मेदारी संभाली। टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय टीम को ऋषभ पंत के रूप में बड़ा झटका लगा। पंत बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए जिस कारण उन्हें मैच से बाहर बैठना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के दौरान जब भारतीय टीम फील्डिंग करने आई तो चोटिल पंत की जगह ऋद्धिमान साहा मैदान पर विकेटकीपिंग करने के लिए उतरे। पंत के मैच से बाहर होने के बाद साहा इस जिम्मेदारी को निभाते हुए दिखाई दिए।

बता दें कि साहा सीरीज के पहले मैच में खेले थे और उन्हें उसके बाद टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। पंत को ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस की गेंद लगी और वह मैदान पर ही दर्द से कराह उठे। पंत 36 रन बनाकर आउट हुए और उन्हें स्कैनिंग के लिए ले जाया गया है ताकि पता लगाया जा सके कि उनकी चोट कितनी गंभीर है। दरअसल 85वां ओवर फेंकने आए ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस की एक गेंद पंत की कोहनी में जा लगी। गेंद लगते ही पंत दर्द में दिखाई दिए और जल्द ही टीम फीजियो को बुलाया गया। फीजियो ने पंत की चोट को देखा और उन्हें तुरंत राहत देने की कोशिश की। चोट लगने के बाद पंत को बल्ला पकड़ने में परेशानी हो रही थी और यह साफ देखा जा रहा था। चोट के बाद पंत सिर्फ अपने खाते में दो रन जोड़ पाए और 36 रन पर आउट हो गए।पैट कमिंस की तेज गेंद कोहनी के लगने के बाद पंत दर्द में दिखाई दिए जिस कारण मैच को थोड़ी देर के लिए रोकना भी पड़ा। भारतीय टीम के फीजियो ने पंत की चोट को देखा और उन्हें राहत दी। लेकिन चोट लगने के बाद भी पंत ने बल्लेबाजी नहीं छोड़ी और मैदान पर टिके रहे। उन्होंने चोट के बाद दोबारा बल्लेबाजी की और आउट होने के बाद ही मैदान से बाहर गए।

रविचंद्रन अश्विन ने डेविड वॉर्नर को 10वीं बार भेजा पविलियन

सिडनी, (एजेंसी)। भारतीय ऑफ स्पिनर क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बेट्समेन डेविड वॉर्नर को टेस्ट क्रिकेट में 10वीं बार अपना शिकार बनाया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे सीरीज के तीसरे मैच के तीसरे दिन अश्विन ने वॉर्नर को 10वीं बार पविलियन भेजा। टेस्ट क्रिकेट में अश्विन ने सबसे ज्यादा बार वॉर्नर को ही आउट किया है। अश्विन की लिस्ट में दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक हैं जिन्हें उन्होंने नौ बार आउट किया था। वहीं बेन स्टोक्स सात बार बार अश्विन का शिकार बने हैं।

डेविड वॉर्नर को अश्विन से ज्यादा सिर्फ स्टुअर्ट ब्रॉड ने आउट किया है। ब्रॉड ने 12 बार ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज को शिकार बनाया है। अश्विन की गेंद टप्पा लगकर सीधी निकली और इस पर वॉर्नर ने स्वीप करने की कोशिश की लेकिन वह इस पर चूक गए। गेंद उनके पैड से लगी। भारतीय टीम की अपील पर अंपायर पॉल राइफल ने उन्हें आउट करार दिया। वॉर्नर ने अंपायर के फैसले के खिलाफ रिव्यू लेने का फैसला किया। तीसरे अंपायर ने भी मैदानी अंपायर के फैसले को सही ठहराया। वॉर्नर ने एक चौके की मदद से 29 गेंद पर 13 रन बनाए।

इससे पहले तीसरे टेस्ट में भारतीय मिडल-ऑर्डर असफल रहा और टीम 244 रन बनाकर आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 94 रन की बढ़त हासिल हुई। दूसरे सेशन में भारत ने 64 रन पर छह विकेट गंवाए। पुजारा और शुभमन गिल ने भारत की ओर से हाफ सेंचुरी लगाईं और पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 338 रन बनाए थे। स्टीव स्मिथ ने 131 और मार्नस लाबुशेन ने 91 रन बनाए थे। भारत की ओर से रविंद्र जडेजा ने 4 विकेट लिए थे।

उमर ने आर्सेनल से करार किया

लंदन, (एजेंसी)। ट्यूनीशिया के डिफेंडर उमर रेइक ने आर्सेनल फुटबॉल टीम के साथ करार किया है। उमर ने ट्यूनीशिया और नीदरलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला है। अपने करियर के दौरान उन्होंने फेनोओर्ड, मैनचेस्टर सिटी, पीएसवी आइंधोवेन और मार्सिले क्लबों की ओर से भी खेला है। उमर ने कहा कि यहां आना बहुत अच्छा लगता है।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज स्पर्धा में हरिकृष्णा करेंगे भारत का नेतृत्व

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैश्विक महामारी कोविड-19 से खेलों की दुनिया भी प्रभावित हुई जिसके चलते बड़े खेल आयोजन भी थम गए थे अब हालात सुधरने के साथ खेलों के आयोजन पटरी पर लौटने लगे है कुछ पूरी तरह तो कुछ सांकेतिक तौर पर। खैर खबर ये है की वर्ष के सबसे बड़े सुपर ग्रांड मास्टर मुकाबले टाटा स्टील मास्टर्स का आयोजन भी होना तय कर दिया गया है और कभी विज्क आन जी के नाम से पहचाने जाने वाले इस शतरंज आयोजन का यह 83 वां संसकरण होगा। भारतीय शतरंज प्रेमियों के लिए अच्छी खबर यह है की भारत के ग्रांड मास्टर पेंटाला हरीकृष्णा इसमें भाग लेने जा रहे है इससे पहले वह वर्ष 2017 मे इस आयोजन का हिस्सा रह चुके है। प्रतियोगिता 15 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा।

हरिकृष्णा के अलावा विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन, विश्व नंबर 2 अमेरिका के फबियानों करूआना, विश्व नंबर चार रूस के इयान नेपोंनियची, विश्व नंबर 5 फ्रांस के मकसीम लागरेव, विश्व नंबर 11 नीदरलैंड के अनीश गिरि, विश्व नंबर 18 फीडे के अलीरेजा फिरौजा, विश्व नंबर 19 पोलैंड के जान डुड़ा, विश्व विश्व नंबर 37 रूस के डेनियल डुबोव, रूस के आन्द्रे एसीपेंकों और नीदरलैंड के जॉर्डन वान जैसे युवा तो स्पेन के डेविड अंटोन जैसे अनुभवी खिलाड़ी को भी शामिल किया गया है इसके बाद दो उभरती प्रतिभा उज्बेकिस्तान के नोरदिरबेक और नॉर्वे के आर्यन तारी को भी शामिल किया गया है। फॉर्मेट- पहली 40 चालों के लिए 100 मिनट फिर अगली 20 चालों के लिए 50 मिनट और फिर बाकी बचे मैच के लिए 15 मिनट दिये जाएंगे और इस दौरान पहली चाल से ही 30 सेकंड प्रति चाल शामिल होंगे। इस तरह यह पूर्ण क्लासिकल मुकाबला खेल के स्तर को काफी ऊंचा उठा देगा जहां हमें शानदार मुकाबले देखने को मिलेंगे।

जर्मनी के म्यूनिख में खेले गए सूकर मैच में गोल करने के बाद खुशी जाहिर करते खिलाड़ी।

अक्टूबर में पाक दौरे पर रहेगी इंग्लैंड की पुरुष और महिला टीमें

कराची, (एजेंसी)। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इस साल अक्टूबर में पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि इंग्लैंड की महिला टीम 14 और 15 अक्टूबर को दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। वहीं इसी दौरान इंग्लैंड की पुरुष टीम भी पाक दौरे पर रहेगी। इसी दिन पुरुष टीम भी मेजबान टीम के खिलाफ सबसे छोटे प्रारूप के मुकाबले खेलेगी। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच 18, 20 और 22 अक्टूबर को कराची के राष्ट्रीय स्टेडियम में होंगे। पीसीबी के मुख्य कार्यकारी वसीम खान ने कहा, विश्व चैंपियन इंग्लैंड की टीम कराची में पहली बार दौरे पर आ रही है जो पाक, हमारी महिला क्रिकेटर और वैश्विक खेल के लिए काफी अहम घोषणा है।

20 फरवरी से शुरू होगा पीएसएल, कराची और लाहौर में होंगे मुकाबले

करांची, (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड 20 फरवरी से पीएसएल का अगले एडिशन का आयोजन करेगी। पहले मैच में कराची किंग 2019 के चैम्पियन क्वेटा ग्लेडिएटर्स के साथ भिड़ेगी। 30 दिन तक चलने वाले इस टूनार्मेंट का फाइनल 22 मार्च को खेला जाएगा। टूनार्मेंट प्रबंधन ने इसे केवल दो ही शहरों कराची और लाहौर में आयोजन करने का फैसला लिया है।

इससे खिलाडिों को ज्यादा ट्रैवलिंग नहीं करनी पड़ेगी। उल्लेखनीय है कि टूनार्मेंट का पहला भाग कराची में खेला जाएगा। इसके बाद टीमें लाहौर के लिए रवाना हो जाएंगी। हालांकि मैदान में दर्शक आ पाएंगे या नहीं इसका फैसला प्रबंधन सरकार से बातचीत के बाद लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सन 2020 एडीशन में पीएसएल के प्लेऑफ के मुकाबले कोविड-19 के कारण स्थिगित कर दिए गए थे।

पीएसएल कमर्शियल डायरेक्टर बाबर हामिद ने कहा कि हमें कराची और लाहौर में मैचों को सीमित करने का कठोर निर्णय लेना था, और यह निर्णय इवेंट, प्रतिभागियों और देश के हित में लिया गया है। प्लेयरों का ड्रॉफ्ट 10 जनवरी को रखा जाएगा। इसका आयोजन लाहौर में होगा। इसमें कई बड़े प्लेयरों पर बोली लगने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड भी आईपीएल के लिए जनवरी में ही बोली रखने वाला है। आईपीएल की फ्रेंचाइजियां बड़ा फेरबदल कर सकती हैं।

फीफा महिला विश्व कप के लिए एफसी को 6 स्लॉट मिले

ज्यूरिख, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की संयुक्त मेजबानी में साल 2023 में होने वाले फीफा महिला विश्व कप के लिए एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) को 6 स्लॉट आवंटित किए गये हैं। वहीं दो मेजबान देश ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड इस आयोजन के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे। इनके स्लॉट इनके परिसंघों से सीधे तौर पर लिए जाएंगे जो कि एएफसी और ओएफसी हैं। चीन को पांच सीधे टिकटों के लिए एशिया के अन्य देशों के साथ क्वालीफाई करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होगी। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था-फीफा ने कहा है कि इस नए नियम के अनुसार 32 टीमों को इस आयोजन के लिए सबसे अधिक 11 स्लॉट यूरोप को आवंटित हुए हैं। वहीं इसके अलावा अफ्रीका, उत्तर अमेरिका, मध्य अमेरिका एवं कैरेबियंस को चार, दक्षिण अमेरिका को तीन और ओसेनिया को तीन स्लॉट मिले हैं।